राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार,23 जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -177 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

फिर दगाबाजी पर उतरा चीन, एलएसी पर तैनात कर रहा 40 हजार सैनिक

नेशनल डेस्क। भारत और चीन के बीच एलएसी पर स्थिति नियंत्रित करने के लिए हुई बैठकों के कई दौर की वार्ता के बाद चीन असल में अपनी ही बात पर टिका हुआ नहीं दिख रहा है। चीन की हरकते इसी ओर इशारा कर रही हैं कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति सामान्य करने को तैयार नहीं है। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना द्वारा उसके हिस्से के क्षेत्र में करीब 40 हजार सैनिकों की तैनाती तो इसी ओर इशारा कर रही है। इसके साथ ही चीनी पक्ष पूर्वी लद्दाख में गतिरोध वाले स्थानों पर से सैनिकों की संख्या घटाने के अपने वायदे का सम्मान भी नहीं कर रहा है। जानकारी के अनुसार दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनयिक वार्ताओं में जिन शर्तों पर सैनिकों को कम करने की सहमति बनी थी, चीन उनका भी पालन नहीं कर रहा है। बता दें कि चीन सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाने के लिए तब राजी हुआ था जब भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री से बात की थी। सूत्रों ने बताया, चीनी पक्ष की ओर से स्थिति नियंत्रित करने का कोई संकेत नहीं मिल रहा है। उन्होंने भारी हथियारों के साथ अपने करीब 40 हजार सैनिकों को तैनात करना शुरू किया है। इन सैनिकों को एयर डिफेंस सिस्टम और लंबी रेंज वाले ऑर्टिलरी हथियार जैसे हथियारों से लैस किया गया है। सूत्रों ने कहा कि दोनों देशों के बीच पिछली सैन्य वार्ता के बाद से सैनिकों को कम करने की प्रक्रिया में भी कोई विकास नहीं हुआ है। पीछे हटने को और सिरीजाप में अपनी स्थायी जगह वापस जाने के लिए भी तैयार नहीं है। चीनी पक्ष फिंगर 5 एरिया में भी पीछे हटने को और सिरीजाप में अपनी स्थायी जगह वापस जाने के लिए भी तैयार नहीं है। सूत्रों ने बताया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि वह फिंगर क्षेत्र में एक ऑब्जर्वेशन पोस्ट (निगरानी पोस्ट) तैयार करना चाहता है। इसके साथ ही उन्होंने हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा पोस्ट एरिया में भी बड़े स्तर पर निर्माण किया है। ये दोनों क्षेत्र पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच होने वाले गतिरोध के प्रमुख क्षेत्र हैं। 14 और 15 जुलाई को दोनों पक्षों के बीच हुई कॉर्प्स कमांडर स्तर की वार्ता में इस बात पर सहमति जताई गई थी कि दोनों पक्ष सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया पर नजर रखेंगे और अगले कुछ दिनों में इसे लेकर होने वाली कार्रवाई के विकास की पुष्टि करेंगे। एनएसए डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री से वार्ता के दौरान यह स्पष्ट किया था कि सीमा पर शांति स्थापित करने के लिए और विवाद समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों को पूर्व की स्थिति में जाना पड़ेगा।

59 ऐप्स बैन के बाद पहली बार एक ही मंच पर होंगे भारत-चीन के डिजिटल मंत्री

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच पिछले काफी समय से रिश्ते तल्ख बने हुए हैं। इसी दौरान भारत ने चीन के 59 मोबाइल ऐप्स पर बैन लगा दिया था। अब इस महाबेन के बाद पहली बार दोनों देशों के डिजिटल मंत्री आमने-सामने होंगे। दरअसल, आज एक कार्यक्रम में केंद्रीय ढ्ढञ्ज मंत्री रविशंकर प्रसाद हिस्सा लेंगे, जिसमें चीनी मंत्री भी शामिल होंगे। बुधवार को जी20 के डिजिटल मंत्रियों की कॉन्फ्रेंस होनी है, जिसमें रविशंकर प्रसाद को शाम 5.30 बजे संबोधन करना है। चीन की मोबाइल ऐप्स पर एक्शन लेने के बाद ऐसा पहली बार होगा जब दोनों मंत्री एक मंच पर होंगे। भारत ने टिकटॉक समेत 59 चीनी ऐप्स पर सुरक्षा का हवाला देते हुए बैन लगा दिया था। हाल ही में सरकार ने फिर चेतावनी दी है कि अगर बैन के बावजूद कोई ऐप चालू मिला तो कड़ा एक्शन लिया जाएगा. भले ही चीनी विदेश मंत्रालय ने भारत के फैसले पर सवाल खड़े किए हो। लेकिन दुनिया के कई विकसित देश भारत के इस कदम की तारीफ कर रहे हैं और अपने देश में ही ऐसा ही कदम लेने के लिए प्रयासरत हैं। यही कारण है कि त्न20 के डिजिटल मंत्रियों की इस मीटिंग की अहमियत और बढ़ गई है। इसके अलावा सभी की नज़रें इस बात पर भी टिकी हुई हैं कि मोबाइल ऐप के प्रतिबन्ध के बाद हो रहे इस सम्मेलन में चीन का क्या रुख रहता है। बता दें कि

भारत के बाद अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों ने भी अपने यहां टिकटॉक और अन्य चीनी ऐप को लेकर रिव्यू शुरू कर दिया है। बीते दिनों अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भी कहा था कि भारत का कदम सराहनीय है।

सड़कों में गड्ढे या गड्ढों में सड़क, बारिश के बाद राजधानी का बुरा हुआ हाल

नेशनल डेस्क। देश की राजधानी दिल्ली में बारिश जमकर कहर बरपा रही है। तेज बारिश के चलते जहां शहर के निचले इलाकों में जलजमाव हो गया है तो वहीं कई जगहों में में धरती धंसने से गड्ढे बन गए हैं। यह नजारा देख समझ नहीं आ रहा है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क है। दिल्ली के अशोका रोड की कुछ तस्वीरें भी सामने आई है, जिसे देखकर वहां के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि पुलिस ने किसी हादसे से बचने के लिए बैरिकेडिंग कर दी है। वहीं मिनी बाईपास, बदायूं रोड के साथ अन्य मुख्य मार्गों की भी यही हालत है। गड्ढों में गिर हादसे का शिकार सबसे ज्यादा दो पहिया चालक हो रहे हैं। इससे पहले अन्ना नगर में नाले के पानी से कुछ झुग्गियां भी ढह गई थीं। बता दें कि बारिश के कारण शहर के निचले इलाकों और प्रमुख चौराहों पर जलजमाव हो गया। स्थानीय लोगों ने घरों में घुसते बारिश के पानी और पानी भरी हुई सड़कों पर फंसे हुए वाहनों की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए हैं। प्रमुख चौराहों पर जलजमाव हो गया। स्थानीय लोगों ने घरों में घुसते बारिश के पानी और पानी भरी हुई सड़कों पर फंसे हुए वाहनों की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए हैं। मंगलवार को दिल्ली में अनेक स्थानों पर मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दिल्ली में सफदरजंग मौसम केंद्र में 24.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। रविवार को शहर में भारी बारिश से मची तबाही के कारण चार लोगों की मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

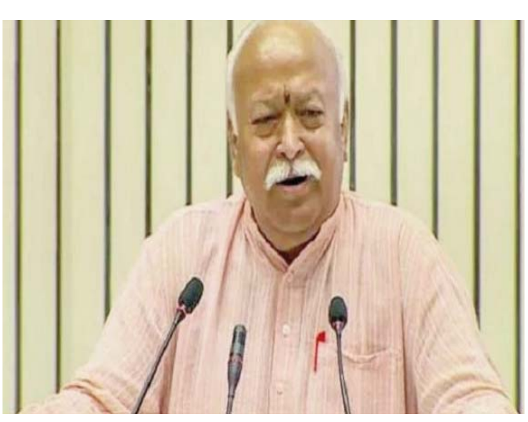

संघ प्रमुख मोहन भागवत कर रहे शिवराज के मंत्रियों से मुलाकात, सिंधिया समर्थकों को निमत्रंण नहीं

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत इन दिनों 5 दिवसीय भोपाल दौरे पर हैं। इस दौरान वे 3 दिन संघ के कोर ग्रुप यानी प्रमुख विचारकों की बैठक लेंगे। संघ के अधिकतर फैसले गुप्त रखे जाते हैं लेकिन सूत्रों की माने तो संघ प्रमुख शिवराज सरकार के मंत्रियों से वन-टू-वन चर्चा की लेकिन बड़ी बात यह रही कि इसमें सिंधिया समर्थक किसी भी मंत्री को नहीं बुलाया गया है। संघ प्रमुख पांच दिन भोपाल में रहेंगे। इस दौरान भाजपा के सभी मंत्रियों को राजधानी में ही रहने के निर्देश दिए हैं। भागवत ने मंगलवार दोपहर स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार को बैठक स्थल शारदा विहार बुलाया। उनसे एक घंटे अकेले में चर्चा की। रात में उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव से बातचीत की। अरविंद भदौरिया खुद भागवत से मिलने पहुंचे। बताया जा रहा है कि संघ प्रमुख बुधवार को दो-तीन मंत्रियों से मुलाकात कर सकते हैं। लेकिन जिन मंत्रियों को मुलाकात के लिए बुलाया है वे या तो स्वयंसेवक रहे हैं या किसी दूसरे रूप में संघ से जुड़े रहे। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह भी बुधवार शाम भागवत से मिल सकते हैं। वहीं मोहन भागवत का कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हुए सिंधिया समर्थकों से मिलने का कोई कार्यक्रम नहीं है। कोरोना वायरस की वजह से नहीं गए संघ कार्यालय मोहन भागवत हर बार भोपाल दौरे के दौरान अरेरा कॉलोनी स्थित संघ कार्यालय में ही ठहरते थे। लेकिन, यहां रहने वाले तीन प्रचारकों को पिछले दिनों कोरोना संक्रमित पाया गया था। यही वजह रही कि इस बार आरएसएस प्रमुख इस बार यहां नहीं रुके। वहीं कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए भागवत से मिलने वालों का मेडिकल चेकअप किया जा रहा है।

परमाणु ऊर्जा संयंत्र को लेकर बोले शाह- इतिहास का बड़ा दिन

नेशनल डेस्क। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि स्वदेश में ही डिजाइन किया गया 700 मेगावाट की क्षमता वाला गुजरात का काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र-3 का सामान्य परिचालन स्थिति में आना भारत के परमाणु इतिहास के लिए एक बड़ा दिन है। इस ऊर्जा संयंत्र का सामान्य परिचालन स्थिति में आना इस बात का संकेत है कि यह संयंत्र ऊर्जा उत्पादन के लिए अब तैयार है। शाह ने ट्वीट कर कहा कि स्वदेश में ही डिजाइन किया गया 700 मेगावाट की क्षमता वाला गुजरात का काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र-3 का सामान्य परिचालन स्थिति में आना (क्रिटिकल होना) भारत के परमाणु इतिहास के लिए एक बड़ा दिन है। गृह मंत्री ने कहा कि न्यू इंडिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को सच करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने इस उपलब्धि के लिए परमाणु वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि यह स्वेदशी परमाणु संयंत्र ''मेक इन इंडिया'' अभियान का गौरवपूर्ण उदाहरण है।

मोदी का गुरुमंत्र

पीएम मोदी ने राज्यसभा पहुंचे बीजेपी के नए सांसदों से की मुलाकात, दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग राज्यों से चुनकर आए राज्यसभा सासंदों ने आज राज्यसभा की शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनकर आए भाजपा के राज्यसभा सांसदों से अपने आवास पर मुलाकात की। बता दें कि राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने बुधवार को उच्च सदन के नवनिर्वाचित 45 सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। बुधवार को शपथ लेने वाले नए 45 सदस्यों में 36 सदस्य ऐसे हैं जो पहली बार राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ले रहे हैं। उन्होंने सामाजिक दूरी के मानकों का पालन करते हुए उच्च सदन के लिए शपथ ली। राज्यसभा के लिए 12 निवर्तमान सदस्य पुन~ निर्वाचित हुए हैं जिसमें शरद पवार, हरिवंश, रामदास आठवले, दिग्विजय सिंह, भुवनेश्वर कालिता, प्रेमचंद्र गुप्ता और विश्वजीत दायमरी ने भी शपथ ग्रहण की। भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खडगे ने उच्च सदन के लिये पहली बार शपथ ली। सिंधिया मध्य प्रदेश से राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। सिंधिया ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद का भी अभिवादन किया। ऐसे सदस्य जो बुधवार के शपथ ग्रहण समारोह में शपथ नहीं ले पायें हैं, वे आसन्न मानसून सत्र में लेंगे। तीन महिलाओं सहित नए सदस्यों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ तेलुगू, बोडो, कन्नड़, मणिपुरी, मराठी, ओडिया, तमिल, बंगाली, हिन्दी और अंग्रेजी में ली। शपथ ग्रहण करने वाले सदस्यों में महाराष्ट्र से प्रियंका चतुर्वेदी, राजीव सातव, मध्यप्रदेश से सुमेर सिंह सोलंकी, अरूणाचल प्रदेश से नाबम रेबिया, असम से विश्वजीत दायमरी, बिहार से विवेक ठाकुर, गुजरात से शक्ति सिंह गोहिल, अभय भारद्वाज, रमिलाबेन बारा, नरहरि अमीन शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा से दीपेंदर सिंह हुड्डा, राम चंद्र जांगड़ा, हिमाचल प्रदेश से इंदु गोस्वामी, झारखंड से दीपक प्रकाश, कर्नाटक से अशोक गास्ती और इराना कदादी, महाराष्ट्र से उदयनराज भोंसले एवं भागवत कराद, मणिपुर से लेइशेम्बा सानाजोएबा, मिजोरम से के वनलालवेना,

राजस्थान से राजेंद्र गहलोत के अलावा आंध्र प्रदेश से ए रामी रेड्डी, पी सुभाष चंद्र बोस, वेंकटरमना राव मोपीदेवी ने भी शपथ ग्रहण की।

कोरोना के चलते सार्वजनिक तौर पर नहीं मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिवराज कैबिनेट में कुछ बड़े और अहम फैसले लिए गए। इनमें स्वतंत्रता दिवस, गांवों में बरसों से आबादी भूमि पर मकान बनाकर रह रहे ग्रामीणों को अब सरकार उस आवासीय भूखंड का मालिकाना हक , उज्जैन के आबकारी विभाग का उपनिरीक्षक पंकज जैन को पुलिस ने यौन शोषण के मामले में बर्खास्त करना आदि शामिल है। खास बात यह रहेगी कि यह कैबिनेट मीटिंग 22 और 23 जुलाई दो दिन रहेगी जिसमें सीएम मंत्रियों के साथ विभाग से जुड़ी परेशानियों को लेकर वन टू वन चर्चा करेंगे। कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने इस वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले पारंपरिक सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं करने का निर्णय लिया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में यह भी तय किया गया कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर केवल प्रदेश स्तरीय एक आयोजन प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित किया जायेगा। मिश्रा ने कहा कि अब तक 15 अगस्त पर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में जिला एवं तहसील स्तर पर निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किये जाते थे। लेकिन इस बार कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए इस प्रकार के कार्यक्रम इस वर्ष आयोजित नहीं करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा गांवों में बरसों से आबादी भूमि पर मकान बनाकर रह रहे ग्रामीणों को अब सरकार उस आवासीय भूखंड का मालिकाना हक देगी। इसके लिए प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व विभाग ने सर्वे की शुरुआत कर दी है। मालिकाना हक मिलने के बाद ग्रामीणों को जमीन के दस्तावेज के आधार पर बैंकों से ऋण सहित अन्य सुविधाएं मिलना शुरू हो जाएंगी। इसके अलावा कोरोना की रोकथाम के लिए ड्यूटी करते हुए पॉजिटिव हुए ।

राजनाथ सिंह ने वायुसेना को किया सतर्क, कहा- किसी भी स्थिति के मुकाबले के लिए रहो तैयार

नेशनल डेस्क। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध की प्रतिक्रिया में भारतीय वायुसेना द्वारा अग्रिम ठिकानों पर अपने संसाधनों की त्वरित तैनाती को लेकर भारतीय वायुसेना की सराहना करते हुए कहा कि बालाकोट में उसके हमले और मौजूदा युद्धक तैयारियों ने विरोधियों को कड़ा संदेश दिया है। भारतीय वायुसेना के शीर्ष कमांडरों के तीन दिवसीय सम्मेलन को पहले दिन संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिये राष्ट्र का संकल्प अडिग है और देश के लोगों को अपनी सशस्त्र सेनाओं की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। सिंह ने उस पेशेवर अंदाज के बारे में भी बात की जिससे वायुसेना ने पिछले साल पाकिस्तान के बालाकोट में हवाई हमला किया था और बीते कुछ महीनों में परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में वायुसेना की सक्रिय प्रतिक्रिया की सराहना की। रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि जिस पेशेवर तरीके से वायुसेना ने बालाकोट में हवाई हमला किया और पूर्वी लद्दाख की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अग्रिम ठिकानों पर वायुसेना के संसाधनों की त्वरित तैनाती की गई उससे विरोधियों को कड़ा संदेश गया। उन्होंने कहा कि अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिये राष्ट्र का दृढ़ संकल्प लोगों का अपनी सशस्त्र सेनाओं की क्षमताओं पर पूरा भरोसा होने से अडिग है। रक्षा मंत्री ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने के लिये जारी प्रयासों का भी उल्लेख किया और वायुसेना से किसी भी चुनौती को संभालने के लिये तैयार रहने को कहा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने कहा कि वायुसेना अल्पकालिक और रणनीतिक खतरों के मुकाबले के लिये तैयार है और सभी इकाइयां विरोधियों की किसी भी आक्रामक कार्रवाई का मुकाबला करने के लिये ÷समान रूप से तैयार÷ हैं। उन्होंने कहा कि बलों की तैनाती और तैयारी सुनिश्चित करने में सभी कमानों की त्वरितता सराहनीय है। उन्होंने अल्पकालिक सूचना पर भी प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की स्थिति के लिये तैयारी पर जोर देने की जरूरत बताई। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में प्रौद्योगिकी में बदलाव के लिये वायुसेना की भूमिका को भी स्वीकार किया। उन्होंने नैनो प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा, साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र जैसे उभरती क्षमताओं को भी अपनाने के बारे में बात की। मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने कमांडरों को आश्वस्त किया कि सशस्त्र बलों की सभी आवश्यकताएं, चाहे वित्तीय हों या किसी अन्य तरह की, पूरी की जाएंगी। सम्मेलन में भारतीय वायुसेना के कमांडर देश की वायु रक्षा प्रणाली की गहन समीक्षा करेंगे जिसमें राफेल लड़ाकू विमानों के पहले जत्थे की लद्दाख क्षेत्र में तैनाती भी शामिल है। सूत्रों ने कहा कि कमांडरों की बैठक में खास तौर पर करीब छह राफेल लड़ाकू विमानों के पहले जत्थे की अगले महीने के शुरू में लद्दाख सेक्टर में तैनाती पर भी चर्चा होने की उम्मीद हैं।ॉ

इन लड़ाकू विमानों के 29 जुलाई को भारतीय वायुसेना के युद्धक बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है।

कोरोना संकट के बीच मुंबई में नई बीमारी ने दी दस्तक, बच्चे बन रहे शिकार

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना वायरस से महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित है। महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की संख्या 3,27,031 है। वहीं कोरोना संकट के बीच मुंबई में नई मुसीबत ने दस्तक दे दी है। दरअसल यहां बच्चों में एक अलग ही तरह की बीमारी देखने को मिलने रही है। मुंबई के वाडिया अस्पताल में अब तक कोरोना पॉजिटिव के करीब 100 बच्चों को भर्ती किया गया है, इनमें से 18 बच्चे के शिकार हैं। डॉक्टरों के मुताबिक देखने में के लक्षण सामान्य लगते हैं-जैसे बुखार आना, स्किन में रैशे, आंखों में जलन, पेट संबंधी बीमारियां आदि। के लक्षण 10 महीने से लेकर 15 साल तक के बच्चों में देखने को मिल रहे हैं। डॉक्टर बच्चों में आई इस नई बीमारी को लेकर काफी चिंतित हैं। रिपोट्र्स के मुताबिक 18 में से 2 बच्चों की कोरोना से ठीक होने के बाद इस बीमारी से मौत हो गई। वाडिया अस्पताल ने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ( ) को इसकी जानकारी दी है और अन्य जगहों से भी इसका डेटा मंगाया जा रहा है ।

महाराष्ट्र के एक और मंत्री कोरोना पॉजिटिव, खुद को किया क्वारंटाइन

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता अब्दुल सत्तार ने बुधवार को कहा कि वह कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए हैं। औरंगाबाद के सिल्लोड विधानसभा क्षेत्र से विधायक सत्तार ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि वह मुंबई में अपने घर पर पृथकवास में हैं। वह महा विकास अघाड़ी सरकार में मंत्री भी हैं और उन्होंने अपने संपर्क में आने वाले लोगों ने अपनी जांच कराने का अनुरोध किया है। इससे पहले राज्य के कैबिनेट मंत्री जितेंद्र अव्हाड, अशोक चव्हाण और धनंजय मुंडे कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे। इससे पहले राज्य के कैबिनेट मंत्री जितेंद्र अव्हाड, अशोक चव्हाण और धनंजय मुंडे कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे। इससे पहले राज्य के कैबिनेट मंत्री जितेंद्र अव्हाड, अशोक चव्हाण और धनंजय मुंडे कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे। यह सभी फिलहाल ठीक हो चुके हैं। महाराष्ट्र के एक और मंत्री असलम शेख ने सोमवार को कहा था कि वह कोरोना संक्रमित हो गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नए दौर में संक्रमण

कोरोना महामारी से जल्द निजात पाने की उम्मीद बंधाती कोई खबर अभी हम ठीक से जज्ब भी नहीं कर पा रहे कि एक विरोधी सूचना हमें फिर से चिंता के नए घेरे में घसीट ले जाती है। मंगलवार की सुबह जब हम इस समाचार को पढ़कर राहत महसूस कर रहे थे कि दिल्ली में वायरस संक्रमण अपने शिखर पर पहुंचकर अब ढलान की ओर है, तो इसके चंद घंटे बाद ही सीरोलॉजिकल सर्वे के नतीजों ने हमें सूचित किया कि राजधानी की लगभग एक चौथाई आबादी कोरोना वायरस के संपर्क में आ चुकी है। सर्वे में शामिल 23.48 प्रतिशत लोगों में 'इम्युनोग्लोबुलिन जी' एंटीबॉडी विकसित मिली। एक तथ्य यह भी है कि इनमें से काफी सारे लोगों में संक्रमण का कोई लक्षण नहीं दिखा। ऐसे में, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने संक्रमण के दूसरे-तीसरे दौर की जो आशंका जताई है, उसे गंभीरता से लेने और तमाम एहतियाती कदमों को जारी रखने की जरूरत है। भारत की विशाल आबादी को देखते हुए संक्रमण के लौटने की आशंका निकट भविष्य में बनी रहेगी। हमें नहीं भूलना चाहिए कि देश के कई इलाकों में वायरस का प्रसार तेज हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर रोजाना संक्रमितों की संख्या अब 40 हजार के आंकड़े को पार कर चुकी है, बल्कि नए संक्रमण के मामले में हम अमेरिका और ब्राजील से भी आगे निकल गए हैं। इसीलिए कई राज्य सरकारों को फिर से पूर्ण लॉकडाउन की तरफ लौटना पड़ा है। हमारी चुनौती अगले कुछ दिनों-महीनों तक ऐसे हालात के साथ तालमेल बिठाने की है। इसमें सबसे बड़ी दिक्कत जनसंख्या के घनत्व के कारण पेश आ रही है। जाहिर है, इस वजह से तमाम प्रशासनिक तैयारियों की सीमाएं रह-रहकर उजागर हो जा रही हैं। यहीं पर नागरिक सहयोग और शिष्टाचार की हमें सबसे अधिक आवश्यकता है। दुनिया के कई देशों का उदाहरण हमारे सामने है। इस महामारी को वे अपने यहां तभी काबू में कर पाए हैं, जब उन्हें अपने नागरिकों का भरपूर सहयोग मिला। हम अपने यहां इस गंभीर स्थिति में भी अपेक्षित सहयोग की कमी महसूस कर रहे हैं। यह नहीं कहा जा सकता कि इस महामारी की गंभीरता से देश का कोई कोना अब अनभिज्ञ है, पर पहले लॉकडाउन के दौरान नागरिक स्तर पर जो संजीदगी दिखी थी, वह अब नदारद है। देश की भौगोलिक स्थितियों को देखते हुए अब कहीं ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। पूर्वोत्तर भारत में बाढ़ की स्थिति गंभीर रूप लेने लगी है। ऐसे में, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और ज्यादा मुश्किल होता जाएगा। फिर यह मौसम कई अन्य रोगों को भी अपने साथ लाता है। डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां हर साल एक गंभीर चुनौती पेश करती रही हैं। इसलिए वक्त आ गया है कि डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का बोझ कम करने की कोशिश की जाए। यह भी एक प्रकार की देशभक्ति है। इस दौर में अपनी और अपने परिजनों की सेहत की समुचित देखभाल न सिर्फ देश की ऊर्जा और उसके संसाधनों की बचत में योगदान है, बल्कि अपनी आर्थिक मजबूती के लिहाज से भी मुफीद कोशिश है। शासन-प्रशासन की सिर्फ कमियां गिनाना नागरिक धर्म नहीं है, आपात स्थितियों में उनकी कमजोरियों को अपने सहयोग से दूर कर देना कहीं बड़ा नागरिक धर्म है। और इस फर्ज अदायगी का इससे माकूल वक्त कोई और नहीं हो सकता।

आज के ट्वीट

नींच

कोई भी जाति नींच नही होती,
पर नींच आदमी हर जाति में होते है.

-- अर्णव गोस्वामी

मिशन 6जी - समय है अगुवाई का

ले. जन. शमशेर सिंह मेहता (से.नि.)

प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, जिसकी कई तरह से व्याख्या हो सकती है। इसकी एक दिशा 6जी भी है। इस दिशा में बढ़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार होना चाहिए।

अगुवाई का समय - जैसा कि किसी भी राष्ट्रीय स्तर के सामरिक महत्व वाले उद्यम के साथ होता है, भारत में 6जी नेटवर्क स्थापित करने के विचार को पहले-पहल राजनीतिक नेतृत्व और तकनीकी माहिरों से समर्थन मिलने की जरूरत है। हमारे पास अपनी महारत और आत्मविश्वास के बूते स्थापित किए अंतरिक्ष एवं परमाणु कार्यक्रम हैं। अब हमारा अगला ध्येय स्वदेशी 6जी नेटवर्क होना चाहिए, जिसके लिए पूर्ण समर्पण चाहिए होगा। बौद्धिक संपदा में श्रेष्ठता प्राप्त करने को नजरअंदाज कर भारत आत्मनिर्भर नहीं बन सकता। समग्र आत्मनिर्भरता बनाने हेतु भारत को अलग-अलग क्षेत्रों में धन लगाना होगा, यहां निवेश दूरसंचार का एक अग्रणी योग्य पात्र है। 6जी की क्रांतिकारी योजना देश में डिजिटल एवं मल्टी-ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में उत्प्रेरक का काम कर सकती है।

स्थानीय स्तर पर विकसित तकनीक, अभिनव खोज आधारित नव-उद्यमों को बढ़ावा, भारत की डिजिटलीकरण समर्था बनाने हेतु प्रणाली का विकास और इसका क्रियान्वयन जरूरी है। 6जी क्षमता बनाने के लिए हमें अपने युवाओं को इस क्षेत्र से जुड़ी शिक्षा पाने और अन्वेषणपरक व्यवसायों को चुनने के लिए उत्साहित करना होगा। अगर हम भारत को बतौर एक डिजिटलीकृत अर्थव्यवस्था में परिवर्तित कर पाए तो यह समृद्धि की फसल काटने में काफी सहायक होगा। सामरिक महत्व की यह प्राप्ति अर्थव्यवस्था, तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े तमाम अवयवों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी। अन्य उपकरण न केवल मोबाइल फोन बल्कि हरेक मशीन, गाड़ी और व्यक्ति, सबको 5जी से भी 1000 गुणा तेज बैंडविड्थ वाला संचार माध्यम मिल जाएगा। वे एप्लिकेशंस जो 4जी या 5जी नेटवर्क की कमी होने की वजह से आज पूरी क्षमता से काम नहीं कर पातीं, वह सब आम उपभोक्ता से लेकर छोटे-बड़े व्यवसायी तक के लिए उपयोगी हो जाएंगी, इससे देश में और ज्यादा खुशहाली आएगी। अन्यथा हम बाकी दुनिया में प्रचलित तकनीक को अपनाने में वर्षों का समय लेते रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अनुसंधान एवं विकास हेतु तालमेल कर हम नई तकनीक में अगुवा बनें, जिससे भारत का रुतबा बढ़ेगा। 6जी को वास्तविकता बनाने के लिए दूरसंचार एवं गणना (कम्प्यूटिंग) क्षेत्र के अग्रणी खिलाड़ियों और समान विचारधारा वाले गणतंत्रों से गठबंधन करने का यह उचित समय है।

बुनियादी तंत्र के सुचारु परिचालन में जब कभी भी कोई व्यवधान उत्पन्न होता है तो वास्तव में यह उसका तोड़ निकालने हेतु बीज बोने का मौका होता है। विगत में हम दूरसंचार ढांचे का विकास करने में केवल निचले स्तर के पायदानों पर चढ़ते आए हैं, उस परिपाटी को बदलना होगा। डिजिटल विकास का मूल्यांकन दूरसंचार-टॉवरों की गिनती, मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या, डाटा-इस्तेमाल की मात्रा अथवा कमाई में हुई बढ़ोतरी से न करके एप्लिकेशन्स की जटिलता, कितनी संख्या में इस्तेमाल हो रही हैं अथवा ऐसी सेवा-नीत सुविधाएं जो भविष्य की अर्थव्यवस्था में गुणात्मक वृद्धि कर पाएं, उससे किया जाना चाहिए।

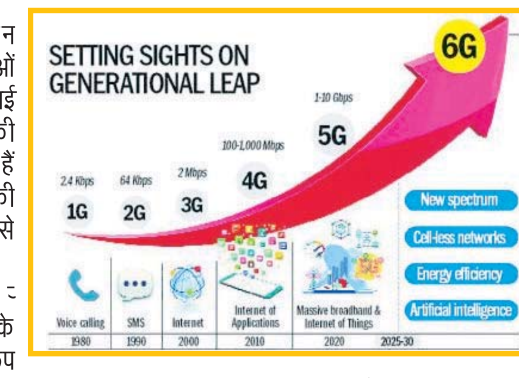

बहुउद्देशीय सर्वव्यापी नागरिक उपकरण - कृत्रिम-बुद्धि और बहु-सेंसर से लैस भविष्य के 6जी मोबाइल उपभोक्ता-सेवाओं का संयुक्त स्वरूप होंगे। यह उपभोक्ता को अनेकानेक आवश्यक सूचनाएं प्रदान करेंगे। मसलन, निजी स्वास्थ्य संबंधी सूचकांक, हवा में मौजूद सूक्ष्म-प्रदूषण कण और विषैले तत्व, भोजन-गुणवत्ता या फिर घर में रहकर फोन एवं अन्य उपकरण-प्रणाली के जरिए काम करने की सुविधा या फिर मोबाइल गेम खेलते वक्त एकदम वास्तविकता जैसा आभासीय अनुभव देंगे। भारत में हम सहज उपयोगी उपकरणों की उम्मीद कर सकते हैं, जिनमें व्यापक डिजिटल क्षमता होगी। ये उपकरण स्वास्थ्य कर्मियों, शिक्षकों और कृषि-तकनीशियनों को ग्रामीण परिवेश में गुणात्मक सुधार करने की क्षमता प्रदान करेंगे, जिससे कि गांवों में डॉक्टर-प्रोफेसर-कृषि माहिरों को शारीरिक रूप से मौजूद होने की जरूरत सीमित या नगण्य रह जाएगी।

पर्यावरणीय संसाधनों का खाका बनाना और व्यापक डाटा संग्रहण - अनुसंधान यह भी बताते हैं कि भावी उपकरण और फोन भूमि, जल और भूमिगत स्रोतों की जानकारी इतने सुस्पष्ट रूप में मुहैया करवा सकेंगे जो इससे पहले संभव नहीं थी। उपभोक्ता को सामान्य फोन क्रियाकलापों की सुविधा देने के अलावा 6जी फोन चौबीसों घंटे बतौर एक सेंसर और डाटा संग्रहक एवं गणक की भूमिका भी निभाएंगे, जो राष्ट्रीय स्तर के सूचना संग्रहण पोर्टल से जुड़कर किसानों, मौसम विभाग और क्षेत्रीय कर्मियों को वास्तविक समय में नवीनतम सूचना और जानकारी मुहैया करवाएंगे।

सूक्ष्म पहचान एवं जनपरिवहन का सटीक समन्वय - भावी 6जी मोबाइल फोन-उपकरण-तंत्र किसी वाहन की तात्कालिक स्थिति को एक सेंटीमीटर की सटीकता से बताने में समर्थ होंगे, जिससे कि हम वास्तविक समय में वह कहां है, इसे जान जाएंगे। भारत के लिए इस तरह की क्षमता पाने से स्रोतों की भारी कमी झेल रही रेल, हवाई और सड़क परिवहन व्यवस्थाओं को कहीं ज्यादा सुचारु जन-परिवहन तंत्र में तब्दील किया जा सकता है। कृत्रिम-बुद्धि और समांतर बृहद गणना तंत्र से परिवहन परिचालन और समयसारिणी में साम्य बैठाने में मौजूद समस्याओं से पार पाने में मदद मिलेगी।

तीन आवश्यक अवयव - प्रथम, ये प्रयास आवश्यक रूप से तभी संभव है जब सरकार कृत्रिम-बुद्धि अनुसंधान, आवश्यक सामग्री, रेडियो आवृत्ति बैंड, जैव-विज्ञान, गणना-विज्ञान और दूरसंचार में नए क्षेत्र तलाशने में प्रयास शुरू करें। दूसरा, इस राष्ट्रीय मिशन के प्रबंधन के लिए मौजूदा सरकारी ढर्रे से परे हटकर व्यवस्था बनानी होगी, ऐसे नियम बनाने होंगे, जिससे कि मौजूदा सरकारी नियंत्रण और खरीद नीति वाले तंत्र से इतर नव-उद्यमियों की ऊर्जा-अभियान प्रबंधन क्षमता-स्रोत परिचालन प्रणाली का काम अबाध हो सके। मिशन 6जी के लिए दुनियाभर के श्रेष्ठ दिमागों को अच्छा मेहनताना देकर अनुसंधान एवं विकास के काम में जोड़ा जा सकता है। तीसरा, इस विशाल परियोजना के लिए धन का इंतजाम उस ढंग से नहीं चलेगा, जिस तरह कि सरकार द्वारा योजनाओं के लिए आमतौर पर जुगाड़ कर किसी तरह आधा-अधूरा फंड रख दिया जाता है। इसके विपरीत यह बहुत ऊपर का मामला होगा, क्योंकि केवल परिकल्पना के आरंभिक प्रतिमान और वास्तु-ढांचा स्थापित करने में ही अरबों डॉलरों का खर्च हो जाएगा।

कैसे होगा संभव -

इसके लिए दीर्घकालिक दृष्टि-पत्र, बहु-वर्षीय योजना, ठोस धन निवेश का इंतजाम, न्यूनतम अफसरशाही रखने की घोषणा की जाए। नई तकनीकी पहल वाली यह परियोजनाएं (6जी दूरसंचार प्रणाली, कृत्रिम-बुद्धि, क्वांटम कम्प्यूटिंग इत्यादि) को सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय के अंतर्गत ठीक वैसे परिचालित किया जाये, जिस तरह पहले से अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रमों के मामले में किया जा रहा है।

जैसा कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय द्वारा पेश किए गए 'भारतीय खरब डॉलर डिजीटल अवसर निर्माण दस्तावेज-2019' में दर्शाया गया है, के अनुसार नई इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन नीति को क्रियान्वन में लाया जाए।

भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार की बदौलत गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियों को अपनी सरदारी कायम रखवाने में मदद करने की बजाय हमें प्रतिभा-तकनीक-आत्मविश्वास की ठोस नींव पर भारतीय अभिनव तकनीक विकसित करते हुए खुद का पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा।

जिस तरह हमने स्वावलंबन और आत्मविश्वास से अपने अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रमों में सफलता पाई है, 6जी के मामले में उसे दोहरा कर आत्मनिर्भरता पानी होगी। बेहतर विश्व के लिए तकनीकी अगुवा बनना हमारे अपने और दुनिया के लिए तोहफा होगा। यह प्राप्ति वर्ष 2047 का जश्न मनाने के लिए सबसे बढ़िया तरीका होगा, जब हम आज़ादी की 100वीं वर्षगांठ मना रहे होंगे। भविष्य की लड़ाइयों में 6जी की भूमिका क्या रहेगी

ज्ञान गंगा

जीवन डगर

सद्गुरु

यह समझना चाहिए कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही तो जाहिर सी बात है कि उस काम को ठीक ढंग से नहीं किया गया होगा। हो सकता है कि उस काम के ठीक से न हो पाने की वजह फिलहाल आप नहीं समझ पा रहे हों-यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है, लेकिन लोग काम न होने पर इसके लिए गूढ़ शक्तियों की तरफ देखने लगते हैं। बहुत सारे लोगों के लिए मिस्टिसिजम यानी रहस्यवाद का मतलब है- अपने जीवन की सरल और सहज चीजों को जटिल बना देना, जबकि वास्तव में रहस्यवाद का मतलब है कि ऐसी सारी रहस्यवादी चीजें, जिन्हें आप अपनी पांचों इंद्रियों के जरिए महसूस नहीं कर सकते या फिर आप अपने बुनियादी तर्क से उन तक नहीं पहुंच सकते, उन्हें ठीक-ठाक तार्किक तरीके से उपलब्ध कराना ही रहस्यवाद है। सरल चीजों को और गूढ़ बना देना किसी भी तरह का रहस्यवाद नहीं है। तो आपको यह जानने की जरूरत है कि अगर आप जो भी काम करते हैं, उसमें समस्या आती है, तो जाहिर सी बात है कि आप एक सैंडपेपर यानी रेगमाल की तरह हैं। आप जानते हैं न कि सैंडपेपर क्या होता है? जब भी आपका किसी से टकराव हो, आप सैंडपेपर से अपनी त्वचा को कहीं घिस लें। ऐसे में अगर आप जल्दी ही अपने को नहीं सुधारते, तो फिर एक समय के बाद आपके शरीर में कहीं त्वचा बचेगी ही नहीं। जब आपके बदन पर त्वचा नहीं रहेगी, तो फिर आप किसी चीज से नहीं उलझेंगे। मान लीजिए कि आपके बदन पर त्वचा नहीं है तो फिर आप कैसे चलेंगे? इतना संभल कर चलेंगे कि किसी पक्षी का एक छोटा सा पंख भी आपको न छू दे, क्योंकि तब आपको हर चीज चोट पहुंचाएगी। घर्षण को कम करने के लिए एक आसान सी चीज आप कर सकते हैं, जो मैं कई बार पहले भी बता चुका हूं, लेकिन आप लोग इस पर ध्यान नहीं देते। यह आसान सी चीज है कि आप पूरे एक दिन में, एक घंटे में या एक मिनट में जो कुछ भी बोलते हैं, उसे पचास प्रतिशत तक कम कर दें। आप देखेंगे आपकी समस्याएं कम हो जाएंगी। उसकी वजह सिर्फ इतनी है कि अब आप उतनी बक-बक नहीं करते। और हम लोग लगातार आपको समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि आप जो कुछ भी देखें, चाहे स्त्री हो या पुरु ष, गाय हो या गधा आप हर एक को नमस्कार करें।

बाढ़ के पानी में बनते-बहते पुल

बारिश और भ्रष्टाचार/ आलोक यात्री

बारिश ने पूरे देश में तबाही मचा रखी है। मुझे ख्यातिलब्ध गीतकार नीरज जी की 'अबके सावन में ये शरारत मेरे साथ हुईज' शे'र याद आ रहा है। टीवी पर मिनट-मिनट की खबरें ब्रेक हो रही हैं। दिल्ली के अन्ना नगर में नाले में बरसाती पानी के सैलाब से किनारे बसे कई मकान बह गए। मिंटो ब्रिज के नीचे डीटीसी की एक बस पानी में डूब गई। बस की तो औकात ही क्या? एक ऑटो और एक कार भी मिंटो ब्रिज के नीचे भरे पानी में लापता हो गई। ऑटो वाले को तो नहीं बचाया जा सका, अलबत्ता बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने बस की छत पर चढ़कर जान बचाई। करीब दो घंटे बाद पहुंचे फायर ब्रिगेड के राहत दल ने घंटों की मशक्कत के बाद तीनों को बचाया। ऑटो वाला शायद इतना खुशकिस्मत नहीं था। अखबारों की हेडलाइन 'राजधानी की खूनी बरसात' बनना उसके ही मुकद्दर में लिखा था।

शाम को हवाखोरी के लिए फेसबुक का रुख किया था कि भाई गोविंद गुलशन से मुठभेड़ हो गई। भाई जी—

'दिल में ये एक डर है बराबर बना हुआ
मिट्टी में मिल न जाए कहीं घर बना हुआज'

फरमाते मिले। बेचारे दिल्ली में बह गए गरीबों के मकानों की वजह से दुखी थे। पड़ताल में दिल्ली सहित देशभर में बाढ़ से मची तबाही का पता चला।

असम, बिहार, अरुणाचल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मेघालय सहित कई प्रदेशों की स्थिति बड़ी विकट है। कई जगह सड़क और पुल बह गए हैं। आदमी का आदमी से संपर्क कट गया है। हम भी कुदरत की मेहरबानी से नीरज जी के शे'र 'ज्मेरे घर को छोड़ कर शहर में बरसात हुई' की तरह वंचित हैं। बिहार के गोपालगंज में गंडक नदी के पुल के पानी में बह जाने की तस्वीरें टीवी पर चल रही हैं। पुल के दोनों छोर पर लोगों का हुजूम लगा है। क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजरता पानी अपनी ताकत दिखा रहा है। ताकत दिखाने के मामले में फोटोग्राफर और रिपोर्टर भी पीछे नहीं हैं। उन्हें भी चार महीने बाद कुछ अलग-सा काम करने को मिला है। 'कोरोना', 'पाक-नापाक' और 'ड्रैगन' राग अलापने वाले तमाम चैनल राग 'मल्हार' गाने लगे हैं। स्टूडियो में एंकर की छटपटाहट ने हमें कश्मीर घाटी के पुल नंबर 27 की याद दिला दी। एक मित्र इरिगेशन डिपार्टमेंट में जूनियर इंजीनियर से तरक्की पा कर असिस्टेंट इंजीनियर हो गए थे। उनकी जगह आए जूनियर इंजीनियर को चार्ज देते समय मित्र ने ताकीद किया कि काला-सफेद कुछ भी करना, पुल नंबर 27 की ओर भूलकर भी आंख उठा कर मत देखना। और उसकी मेंटिनेंस की फाइल तो हरगिज़ ही न बनाना। लेकिन एक दिन मित्र का माथा ठनका। मूवमेंट रजिस्टर में किसी फाइल की तलाश में उनकी नज़र अचानक पुल नंबर 27 की फाइल के मूवमेंट पर जा पड़ी। फाइल भुगतान के लिए उनके कार्यालय को ही प्रेषित की गई है। मित्र ने जूनियर इंजीनियर महाशय को भी तलब कर लिया। जूनियर इंजीनियर से सबसे पहला सवाल यही पूछा कि चार्ज देते समय क्या नसीहत दी गई थी? लेकिन वह साहब मंजे हुए खिलाड़ी थे। मित्र को ही नसीहत की पूरी किताब सुना डाली। मित्र के याद दिलाने पर भी महाशय यह मानने को तैयार नहीं थे कि किसी पुल की बाबत कोई नसीहत दी भी गई थी। उसने बताया कि पिछले एक साल में पुल के रख-रखाव पर करीब छह लाख रुपए का खर्चा आ चुका है। ठेकेदार को इस राशि का भुगतान किया जाना है] जिसकी संस्तुति जूनियर इंजीनियर साहब ने कर दी है।

जूनियर इंजीनियर हर सवाल का ज़वाब ताल ठोक कर देते रहे। मित्र को आखिर कहना पड़ा कि यह झूठ तुम्हें ले डूबेगा। बेशर्मों की तरह महाशय बोले 'अजी चुल्लू भर पानी मेरा कुछ ना बिगाड़ पाया। छोटी-मोटी बरसात मेरा क्या बिगाड़ेगी?' जूनियर इंजीनियर किसी भी सूरत फाइल पास करवाना चाहता था। मित्र के सामने उसने बतौर नजराना आधी रकम की पेशकश भी कर दी। उन्हें जूनियर इंजीनियर को कहना पड़ा कि पिछले दस सालों से रख-रखाव का सबसे अधिक खर्च इसी पुल पर होता आ रहा है तो इस बार पेमेंट स्वीकृत करने में हुज्जत क्यों है? मित्र को बताना पड़ा कि पुल नंबर 27 चीफ साहब के कार्यकाल में ही बनवाया गया था और बीते साल उनके रिटायरमेंट से पहले ही पुल बारिश के पानी में बह गया, जिसकी इंक्वायरी की फाइनल रिपोर्ट भी मित्र ने ही लगाई थी। मित्र ने यह भेद भी खोल ही दिया कि पुल नंबर 27 कागजों में ही बना और कागजों में ही उसकी अंत्येष्टि कर दी गई। पता नहीं देशभर में हर साल कितने पुल कागजों में ही बनते और बहते रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ई-कॉमर्स कंपनियों को बताना होगा, आयातित उत्पाद किस देश का हैः केंद्र सरकार

नई दिल्ली। अमेजन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों को अब उनके मंच पर बिकने वाले आयातित उत्पादों के मूल देश का नाम दर्शाना होगा यानी यह बताना होगा कि आयातित उत्पाद किस देश का है। केंद्र सरकार ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी। केंद्र की ओर से मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ के समक्ष दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि विधिक मापविज्ञान अधिनियम और नियमों के तहत ई-कॉमर्स साइटों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ई-कॉमर्स लेनदेन के लिए इस्तेमाल होने वाले डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर किसी उत्पाद के मूल देश का नाम दर्शाया गया हो। केंद्र सरकार के अधिवक्ता अजय दिगपॉल के जरिए दायर हलफनामे में कहा गया है कि इन नियमनों का अनुपालन सुनिश्चित कराना राज्यों और संघ शासित प्रदेशों का दायित्व है। दिगपॉल ने कहा कि जहां भी इन नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, संबंधित राज्यों या संघ शासित प्रदेशों के विधिक मापविज्ञान विभाग के अधिकारी कानून के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। हलफनामे में कहा गया है कि इस पर आवश्यक परामर्श सभी ई-कॉमर्स कंपनियों, सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के विधिक मापविज्ञान नियंत्रकों को भेजा गया है। केंद्र की ओर से यह हलफनामा एक जनहित याचिका पर दायर किया गया है। अधिवक्ता अमित शुक्ला की ओर से दायर याचिका में केंद्र को यह निर्देश देने की आग्रह किया गया था कि ई-कॉमर्स मंचों पर बिकने वाले उत्पादों पर उनका (उत्पादों) विनिर्माण करने वाले देशों का नाम दर्शाया जाना चाहिए।

एलेम्बिक फार्मा का शुद्ध लाभ 2019-20 की पहली तिमाही में दो गुना से अधिक उछलकर 301.46 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली। औषधि कंपनी एलेम्बिक फार्मास्युटिकल्स का एकीकृत शुद्ध लाभ 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही में दो गुना से अधिक उछलकर 301.46 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी बिक्री से कंपनी का लाभ बढ़ा है। एलेम्बिक फार्मास्युटिकल्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में कंपनी को 123.72 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की एकीकृत परिचालन आय चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1,341.32 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 948.91 करोड़ रुपये थी।

पंजाब सरकार धान की खरीद की तैयारियों में लगी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को वित्त विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि धान खरीद के लिए किसानों को भुगतान के लिए नकद ऋण सीमा (सीसीएल) का समय से निर्धारण कराये। सिंह ने पंजाब में धान की खरीद की तैयारियों की समीक्षा की, जिसके एक अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को भुगतान खरीद के 48 घंटे के भीतर किया जाना चाहिए, जैसा कि हाल ही में रबी विपणन सत्र के समय सुनिश्चित किया गया था। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केंद्र से भुगतान समय पर प्राप्त हो। उन्होंने खाद्य विभाग को केंद्र सरकार के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केंद्र से भुगतान समय पर प्राप्त हो। बैठक के दौरान, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री भारत भूषण आशु ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण लगाये गये प्रतिबंधों की वजह से कोलकाता में जूट मिलों से जूट की अनी बोरियों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है क्योंकि इस महामारी के कारण जूट मिलें पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रही हैं।

कोविड-19 के प्रभाव से बजाज ऑटो का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 61 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली।

दोपहिया क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बजाज ऑटो का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) का एकीकृत शुद्ध लाभ 60.92 प्रतिशत घटकर 395.51 करोड़ रुपये रह गया। कोरोना वायरस की वजह से तिमाही के दौरान कंपनी की बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई, जिसका असर उसके मुनाफे पर भी पड़ा इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 1,012.17 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 60.29 प्रतिशत घटकर 3,079.24 करोड़ रुपये रह गई, जो 2019-20 की पहली तिमाही में 7,755.82 करोड़ रुपये रही थी। एकल आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ घटकर 528.04 करोड़ रुपये रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,125.67 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही के दौरान कंपनी का वाहन बिक्री का आंकड़ा घटकर 4,43,103 इकाई पर आ गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 12,47,174 वाहन बेचे थे। कंपनी ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2020-21 कोविड-19 महामारी की वजह से काफी चुनौतीपूर्ण है। लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों के चलते आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है और मांग में भी भारी गिरावट आई है। कंपनी ने कहा कि इस महामारी का असर भारत के अलावा उन देशों पर भी है, जहां वह अपने वाहनों का निर्यात करती है। कंपनी ने कहा कि अप्रैल में घरेलू मोटरसाइकिल बाजार में बिक्री शून्य रही। इसका असर व्यापक रूप से मई में भी दिखाई दिया। बजाज ऑटो ने कहा कि जून में उसके प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार र्ज हुआ है और यह उद्योग से बेहतर रहा है। वहीं दूसरी ओर वाणिज्यिक वाहनों का घरेलू बाजार भी महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कंपनी ने कहा कि इस अवधि में उद्योग में 91 प्रतिशत की गिरावट आई और बाजार की प्रमुख खिलाड़ी होने की वजह से सबसे ज्यादा वह प्रभावित हुई।

बजाज फिनसर्व का पहली तिमाही मुनाफा 44 प्रतिशत बढ़कर 1,215 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। बजाज समूह की कंपनी बजाज फिनसर्व का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 44 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ 1,215 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी की बीमा अनुषंगी से अच्छी कमाई होने से कंपनी के लाभ में यह वृद्धि दर्ज की गई। बजाज समूह की वित्तीय सेवाओं की इस इकाई ने एक साल पहले की इसी तिमाही में 845 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया था। कंपनी की मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। कंपनी ने कहा है कि आलोच्य तिमाही के दौरान उसकी कुल आय 16 प्रतिशत बढ़कर 14,192 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 12,272 करोड़ रुपये रही थी। बजाज फिनसर्व के एकीकृत कारोबार में उसकी तीन अनुषंगी कंपनियों के परिणाम शामिल हैं। इनमें बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल), बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (बीएजीआईसी) और बजाज एलायंज लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (बीएएलआईसी) शामिल हैं। बजाज फिनसर्व ने कहा कि 2020- 21 की पहली तिमाही के दौरान उसकी तीनों इकाई के कारोबार पर प्रभाव पड़ा है।

सेबी ने भेदिया कारोबार नियमों को संशोधित किया, कंपनियों को करना होगा डेटाबेस तैयार

नयी दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भेदिया कारोबार के नियमों में संशोधन कर दिया है। सूचीबद्ध कंपनियों को अब अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचनाओं की प्रकृति को लेकर एक डजिटल डेटाबेस तैयार करना होगा। सेबी निदेशक मंडल ने इस संबंध में पिछले महीने एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। भेदिया कारोबार नियमों में जो बदलाव किये गये हैं उसके मुताबिक सूचीबद्ध कंपनियों को एक ढांचागत डिजिटल डेटाबेस अपने पास रखना होगा। इसमें अप्रकाशित मूल्य- संवेदी सूचना की प्रकृति के बारे में पूरी जानकारी रखने के साथ ही उस व्यक्ति का नाम भी होना चाहिये जिसने इस तरह की सूचना को प्रसारित किया है। इसके साथ ही शेयर बाजारों को इस प्रकार की जानकारी स्वत पहुंचाने और शेयर कारोबार पर प्रतिबंध लगाने जैसी स्व-स्फूर्त प्रक्रिया होनी चाहिये। सेबी की 17 जुलाई को जारी अधिसूचना में इस बारे में कहा गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि भेदिया सूचना को फैलाने वाले व्यक्ति के नाम के साथ ही उन लोगों की भी जानकारी रखनी होगी जिनके साथ इस तरह की सूचना साझा की गई। अधिकृत डेटा भी रखना होगा। संशोधित नियमों में कहा गया है कि इस प्रकार का डेटाबेस का काम बाहर किसी अन्य इकाई से नहीं कराया जा सकता है।

लॉकडाउन के दौरान शेयर बाजारों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ीः सेबी

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी पर अंकुश के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान शेयर बाजारों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। सेबी के चेयरमैन अजय त्यागी ने बुधवार को उद्योग मंडल फिक्की के पूंजी बाजार पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस दौरान डीमैट खातों की संख्या में अच्छा-खासा इजाफा हुआ है। इसकी वजह बाजार में नए निवेशकों की भागीदारी बढ़ना है। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ माह के दौरान शेयर बाजारों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में जोरदार इजाफा हुआ है। कई विश्लेषकों का कहना है कि इसकी वजह यह है कि इस दौरान निवेशकों के पास निवेश के अधिक विकल्प उपलब्ध नहीं थे। त्यागी ने कहा कि नए निवेशकों के लिए पूंजी बाजारों में सुगम प्रवेश के लिए यह अच्छा होगा कि वे पहले जोखिममुक्त सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में निवेश करें। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को पाने के लिए सरकारी प्रतिभूतियां डीमैट रूप में जारी की जानी चाहिए। सेबी प्रमुख ने कहा कि ये नए डीमैट खाताधारक सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के जरिये अनुभव हासिल करने के बाद अन्य प्रतिभूतियों को अपने डीमैट खातों में जोड़ें। उन्होंने कहा कि बाजार काफी हद तक मार्च के झटकों से उबर चुका है। उन्होंने कहा कि महामारी के बावजूद बाजार ने पहली तिमाही में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी जुटाई है। त्यागी ने कहा कि छह माह के लिए दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) प्रावधानों को निलंबित किए जाने की वजह से कंपनियां और ऋणदाता समाधान के लिए आईबीसी ढांचे का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। त्यागी ने कहा कि इसके अलावा नियामक ने कंपनियों द्वारा धन जुटाने की प्रक्रिया को भी आसान किया है। महामारी की वजह से कंपनियों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

जिसके चलते ये कदम उठाए गए हैं। इन उपायों में राइट्स इश्यू, अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ), पात्र संस्थागत नियोजन से संबंधित नियम और तरजीही निर्गम के जरिये शेयरों के आवंटन के लिए सुगम मूल्य ढांचा आदि शामिल है। दबाव वाली संपत्तियों की समस्या से जूझ रही दबाव वाली संपत्तियों की समस्या से जूझ रही कंपनियों को सुगमता से तरजीही आवंटन के जरिए धन जुटाने की सुविधा को सेबी ने इस तरह के निर्गमों के लिए मूल्य तय करने के तरीकों में ढील दी और आवंटियों को खुली पेशकश की प्रतिबद्धताओं से छूट दी है।

विदेशी निवेश के लिये भारत बेहतर गंतव्यः गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को विदेशी निवेश पर उच्च रिटर्न के लिहाज से भारत को बेहतरीन गंतव्य बताया। उन्होंने अमेरिका समेत विभिन्न देशों के निवेशकों से बुनियादी ढांचा, एमएसएमई, बैंक, एनबीएफसी तथा अन्य क्षेत्रों में निवेश कर मोटा लाभांश का लाभ उठाने को कहा। सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी अस्थायी दौर है और देश को आर्थिक युद्ध जीतने का पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संकट से पार पाने के लिये कई कदम उठाये हैं। अमेरिका-भारत व्यापार परिषद और यूएस चैंबर ऑफ कामर्स द्वारा आयोजित इंडिया आइडियाज शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा, ''आपके लिये हवाईअड्डा, सड़क, एमएसएमई, रेलवे, जलमार्ग ओर अन्य क्षेत्रों में निवेश के सुनहरे अवसर हैं...निवेश की काफी संभावना है। अमेरिका के मुकाबले रिटर्न बहुत अच्छा है। मुझे लगता है कि भारतीय स्थिति बेहतर है।'' मंत्री ने कहा कि आर्थिक सलाहकारों ने 10 लाख करोड़ रुपये के बजट घाटे का अनुमान जताया है और बाजार में नकदी डालने के लिये निवेश समय की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''आप लोगों के एमएसएमई में निवेश के अवसर हैं। आपको अच्छा रिटर्न मिलेगा...एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) एक और अच्छा अवसर है।

सिनेमा हॉल और होटल में खाने–पीने की चीजों पर ज्यादा पैसे वसूले तो होगी कड़ी कार्रवाई

बिजनेस डेस्क।

20 जुलाई 2020 से पूरे देश में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू हो गया है। इस कानून के लागू हो जाने के बाद अब उपभोक्ताओं को कई अधिकार मिल गए हैं, जो पिछले कानून में नहीं थे। नया उपभोक्ता संरक्षण कानून 1986 का स्थान लिया है। नए कानून में ग्राहकों को कई अधिकार दिए गए हैं। अब सामान खरीदने से पहले भी ग्राहक सामान की शिकायत दर्ज करा सकता है। प्रिंट, टीवी और डिजिटल मीडिया पर अगर भ्रामक विज्ञापनों का प्रचार किया तो कंपनी और विज्ञापन करने वाले दोनों को जेल जाना पड़ सकता है। नए कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 में 6 महीने से लेकर 5 साल तक की सजा के प्रावधान किए गए हैं। अगर अपराध गंभीर है और उससे किसी के जान-माल का नुकसान होता है तो आईपीसी के तहत भी मुकदमे चलेंगे। इस कानून की खास बात यह है कि अब सिनेमा हॉल में खाने-पीने की वस्तुओं पर एमआरपी से ज्यादा पैसा वसूले गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ता एवं खाद्य मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए नए कानून के बारे में कहा, नया उपभोक्ता संरक्षण कानून 2019 उपभक्ताओं को कई अधिकार दिए हैं। नए कानून में जुर्माना के साथ-साथ सख्त सजा के भी प्रावधान किए गए हैं। यह कानून उपभोक्ताओं के हाथ को काफी मजबूत करेगा। इस कानून के आ जाने के बाद अब देश में अगले 50 सालों तक कोई नया कानून लाने की कोई जरूरत नहीं है। इस कानून के आने के बाद उपभोक्ता से संबंधित की शिकायतों पर अब तुरंत कार्रवाई शुरू हो जाएगी। खासकर अब ऑनलाइन कारोबार में उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी कंपनियों पर भारी पड़ सकती है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना- इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना होगा। इसके साथ-साथ अनुचित व्यापारिक गतिविधियां, भ्रामक विज्ञापनों और उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों को भी देखेगा और त्वरित गति से उसका निपटारा करेगा। इस प्राधिकरण के पास अधिकार होगा कि वह भ्रामक या झूठे विज्ञापन जैसे-लक्ष्मी धन वर्षा यंत्र बनाने वालों और उनका प्रचार-प्रसार करने वालों पर जुर्माना लगाए। इस प्राधिकरण के पास अधिकार है कि 2 वर्ष से लेकर 5 साल तक की कैद की सजा सुनाने के साथ-साथ 50 लाख रुपए तक जुर्माना वसूलने का। इसका नेतृत्व महानिदेशक सीसीपीए करेंगे। उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का गठन- इस आयोग का काम है कि अगर आपसे कोई अधिक मूल्य वसूलता है, आपके साथ अनुचित व्यवहार करता है, जीवन के लिए खतरनाक और दोषपूर्ण वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री की जाती है तो इसकी शिकायत सीडीआरसी सुनेगी और फैसला सुनाएगी। सिनेमा हॉल में खाने-पीने की वस्तुओं पर ज्यादा पैसे लेने वालों की अगर मिलती है शिकायत तो होगी कार्रवाई। खाने-पीने की चीजों में मिलावट तो कंपनियों पर जुर्माना और जेल का प्रावधान। कंज्यूमर मीडिएशन सेल का गठन, दोनों पक्ष आपसी सहमति से मीडिएशन सेल जा सकेंगे। नए कानून में ऑनलाइन और टेलीशॉपिंग कंपनियों को पहली बार शामिल किया गया है। कंज्यूमर फोरम में एक करोड़ रुपए तक के केस। जनहित याचिका अब कंज्यूमर फोरम में फाइल की जा सकेगी।

बजाज फिनसर्व का पहली तिमाही मुनाफा 44 प्रतिशत बढ़कर 1,215 करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

बजाज समूह की कंपनी बजाज फिनसर्व का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 44 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ 1,215 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी की बीमा अनुषंगी से अच्छी कमाई होने से कंपनी के लाभ में यह वृद्धि दर्ज की गई। बजाज समूह की वित्तीय सेवाओं की इस इकाई ने एक साल पहले की इसी तिमाही में 845 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हासिल किया था। कंपनी की मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। कंपनी ने कहा है कि आलोच्य तिमाही के दौरान उसकी कुल आय 16 प्रतिशत बढ़कर 14,192 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 12,272 करोड़ रुपए रही थी। बजाज फिनसर्व के एकीकृत कारोबार में उसकी तीन अनुषंगी कंपनियों के परिणाम शामिल हैं। इनमें बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल), बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (बीएजीआईसी) और बजाज एलायंज लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (बीएएलआईसी) शामिल हैं। बजाज फिनसर्व ने कहा कि 2020- 21 की पहली तिमाही के दौरान उसकी तीनों इकाई के कारोबार पर प्रभाव पड़ा है।

ज्यादातर बड़े शहरों में कोरोना वायरस महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के कारण पूरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियां कमजोर रहीं।

चांदी 60 हजार रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर, सोना भी नई ऊंचाई पर

मुंबई।

भारत में सोने और चांदी की कीमतें नई ऊंचाई पर पहुंच गईं। चांदी का भाव 60,000 रुपए प्रति किलो के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार गया, जबकि सोना भी 50,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को तोड़ने के करीब है। भारतीय वायदा बाजार में चांदी का भाव 23 जनवरी 2013 में 59,974 रुपए प्रति किलो तक उछला था जो कि इससे पहले का रिकॉर्ड स्तर था। चांदी का अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजार कॉमेक्स पर 23 डॉलर प्रति औंस के ऊपर चला गया है। कॉमेक्स सोने का भाव भी 1866.75 डॉलर प्रति औंस तक उछला जो कि नौ सितंबर 2011 के बाद ऊंचा स्तर है जब सोने का भाव 1881 डॉलर प्रति औंस के करीब था, जबकि कॉमेक्स पर सोने का भाव छह सितंबर 2011 में 1911.60 डॉलर प्रति औंस तक उछला था जो कि अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी के सितंबर एक्सपायरी अनुबंध में बुधवार को सुबह 9.13 बजे बीते सत्र के मुकाबले 3208 रुपए यानी 5.59 फीसदी की तेजी के साथ 60550 रुपए प्रति किलो पर कारोबार चल रहा था, जबकि इससे पहले चांदी का भाव एमसीएक्स पर 58000 रुपए प्रति किलो पर खुला और 60,782 रुपए प्रति किलो तक उछला जो कि एक नया रिकॉर्ड है। एमसीएक्स पर सोने के अगस्त वायदा अनुबंध में पिछले सत्र से 435 रुपए यानी 0.88 फीसदी की तेजी के साथ 49,962 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले सोने का भाव एमसीएक्स पर 49,975 रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछला जोकि अब तक का रिकॉर्ड स्तर है जल्द ही सोना 50 हजारी बनने वाला है। उधर, अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में चांदी के सितंबर वायदा अनुबंध में पिछले सत्र से 1.163 डॉलर यानी 5.39 फीसदी की तेजी के साथ 22.720 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार चल रहा था जबकि कारोबार के दौरान कॉमेक्स पर चांदी का भाव 23.185 डॉलर प्रति औंस तक उछला। कॉमेक्स पर सोने के अगस्त वायदा अनुबंध में पिछले सत्र से 14.75 डॉलर यानी 0.80 फीसदी की तेजी के साथ 1858.65 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले सोने का भाव कारोबार के दौरान 1866.75 डॉलर प्रति औंस तक उछला।

वीईसीवी के सभी वाणिज्यिक वाहन अब 'कनेक्टेड टेक्नालॉजी' के साथ उपलब्ध होंगे

नयी दिल्ली।

वीई कमर्शियल वेहिकल्स (वीईसीवी) के वाणिज्यिक वाहनों की पूरी श्रृंखला अब 'कनेक्टेड टेक्नालॉजी के साथ उपलब्ध होगी। कंपनी ने बुधवार को यह घोषणा की है। वीईसीवी, आयशर और वोल्वो समूह का संयुक्त उद्यम है। आगामी एक अगस्त से कंपनी के सभी ट्रक और बस कारखाने में लगाई गई टेलीमैटिक्स प्रणाली के साथ उपलब्ध होंगे। इससे वाहन मालिकों को अपने वाहनों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वीईसीवी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनोद अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''अब हम देश की पहली कंपनी हो गए हैं जो पूर्ण कनेक्टेड वाणिज्यिक वाहन बेचेगी।'' उन्होंने बताया कि कंपनी के वाहनों की 4.9 टन से 55 टन क्षमता की समूची श्रृंखला टेलीमैटिक्स प्रणाली के साथ आएगी। पहले दो साल इसमें कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि कनेक्टेड प्रौद्योगिकी के जरिये वाहन मालिकों को तत्काल आधार पर अपने वाहनों की जानकारी मिल सकेगी। इन वाहनों में लाइव इंटरनेट कनेक्शन होगा और वे मालिकों और प्रबंधकों के साथ-साथ कंपनी की वर्कशॉप के साथ संपर्क में रहेंगे। अग्रवाल ने बताया कि कनेक्टेड प्रौद्योगिकी के जरिये वाहन मालिकअपने चालकों के वाहन चलाने के तरीके पर नजर रख सकेंगे। अपने चालकों के वाहन चलाने के तरीके पर नजर रख सकेंगे। इससे ईंधन दक्षता बढ़ेगी। यदि वाहन खराब हो जाता है या उसकी सर्विस कराने की जरूरत है, तो इसके बारे में भी 'अलर्ट' मिल सकेगा। उन्होंने कहा, ''हम ग्राहकों को कम लागत पर स्वामित्व देना चाहते हैं। भारत चरण-चार (बीएस-4) से भारत चरण-छह (बीएस-6) में स्थानांतरण की वजह से वाहन के स्वामित्व की लागत 8 से 15 प्रतिशत बढ़ चुकी है। कनेक्टेड प्रौद्योगिकी के जरिये इन वाहनों की ईंधन दक्षता बढ़ेगी। इसके कुल मिलाकर वाहन की उत्पादकता बेहतर हो सकेगी।'

भारत, अमेरिका को मुक्त व्यापार समझौते के लिये बातचीत की मेज पर बैठने की जरूरतः गोयल

नयी दिल्ली।

भारत और अमेरिका को एक ''त्वरित'' व्यापार समझौते को पूरा करने के बाद मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के रूप में एक अधिक टिकाऊ, मजबूत और दीर्घकालिक भागीदारी की दिशा में काम करने के लिये बातचीत की मेज पर बैठने की जरूरत है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह कहा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि एफटीए के लिये भारत खुले दिमाग से काम करने का इच्छुक है। भारत बाजारों को खुला रखने की इच्छा के साथ भारतीय व्यवसायियों के लिये भी अमेरिका में बेहतर अवसर चाहता है। गोयल ने कहा, ''मेरा विश्वास है कि हम पिछले कुछ सालों के दौरान हमारे बीच उभरे लंबित मामलों को लेकर एक त्वरित व्यापार समझौता कर सकते हैं। इन मामलों को हमें जल्द सुलझाना लेना चाहिये। हम काफी कुछ इस दिशा में आगे बढ़ चुके हैं और मेरा मानना है कि अगली कुछ बातचीत में हम इन्हें सुलझा लेंगे।'' वाणिज्य मंत्री ने कहा, ''इसके बाद जैसा की अमेरिकी कांग्रेस को सूचित किया गया है, अमेरिका और भारत को बातचीत की मेज पर बैठना चाहिये। मुझे नहीं पता कि यह अमेरिका में चुनाव से पहले हो सकता है या फिर चुनाव के बाद, लेकिन हमें एफटीए के रूप में एक अधिक टिकाऊ, अधिक मजबूत और दीर्घकालिक भागीदारी की दिशा में काम करने की जरूरत है।'' गोयल ने कहा कि दोनों देशों को एक तरजीही व्यापार समझौते के बारे में भी विचार करना चाहिये। इस समझौते में 50 से लेकर 100 उत्पादों और सेवाओं को शामिल किया जा सकता है। तरजीही व्यापार समझौते के तहत दो व्यापारिक भागीदारी सीमित संख्या की वस्तुओं पर आयात शुल्क को या तो समाप्त कर देते हैं या फिर काफी कम कर देते हैं जबकि एफटीए के तहत दोनों देश एक दूसरे के बीच होने वाले व्यापार में अधिक से अधिक उत्पादों पर शुल्क को समाप्त कर देते हैं। भारत और अमेरिका एक सीमित व्यापर समझौते को लेकर बातचीत कर रहे हैं ताकि दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्तों को और बढ़ावा मिल सके। भारत, अमेरिका में उसके इस्पात और एल्यूमीनियम उत्पादों पर लगाये जाने वाले ऊंचे आयात शुल्क में छूट दिये जाने, सामान्यीकृत तरजीही प्रणाली (जीएसपी) के तहत निर्यात लाभ को बहाल किये जाने और भारत के कृषि, वाहन, वाहन कलपुर्जे और इंजीनियरिंग उत्पादों के लिये अमेरिका के बाजारों में अधिक पहुंच दिये ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

वाशिंगटन ओपन कोरोना के कारण रद्द

वाशिंगटन । अगले महीने होने वाला एटीपी टेनिस वाशिंगटन ओपन कोरोना वायरस के कारण रद्द हो गया है। एटीपी और वाशिंगटन ओपन के आयोजकों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। इस टूर्नामेंट को 13 अगस्त से शुरु होना था लेकिन वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के कारण इसे रद्द करना पड़ा। वाशिंगटन ओपन के रद्द होने से यूएस ओपन पर भी सवाल उठ रहे हैं जिसका आयोजन अगस्त के अंत से होना है। एटीपी चैयरमैन आंद्रिया गोडेंजी ने कहा- यह दुखद है कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में हम इस साल वाशिंगटन ओपन का आयोजन नहीं कर सकते। मुझे पता है कि इस कठिन समय में इस टूर्नामेंट का आयोजन मुश्किल है। दुर्भाग्य से स्थिति हमारे हाथ में नहीं है। हम अगले साल इस टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए उत्सुक हैं।

आईपीएल

आईपीएल में खेलना अच्छा होगा, ज्यादा जानकारी होना अच्छा होगा : विलियम्सन

ऑकलैंड।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संबंध में और अधिक जानकारी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय लीग में हिस्सा लेना हमेशा से शानदार रहा है। आईसीसी ने कोविड-19 के कारण आस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच होने वाले टी-20 विश्व कप को स्थगित कर दिया है। इसी ने आईपीएल-13 की मेजबानी के रास्ते खोल दिए हैं और बीसीसीसआई संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इसकी मेजबानी कराने के बारे में सोच रही है। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो ने विलियम्सन के हवाले से लिखा, वे लोग आईपीएल को आयोजित करने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनना हमेशा से अच्छा रहता है और यह शानदार दर्शकों को लुभाता है। विलियम्सन ने बे ओवल पर न्यूजीलैंड के अभ्यास शिविर से इतर बात करते हुए कहा, और इस समय ज्यादा कुछ करने को है नहीं इसलिए असली चाहत है कि यह हो, और यह सुरक्षित तरीके से हो, यह प्राथमिकता है।

यह देखना दुखद है कि विश्व कप स्थगित हो गया, लेकिन हम जिस समय में है यह उसका स्वभाव है, लेकिन कुछ क्रिकेट देखने को लेकर निजी तौर पर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अगर सब कुछ सुरक्षित तरीके से रहा तो कई सारे लोग इसके लिए तैयार होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान विलियम्सन ने कहा, जैसा मैंने कहा, यह कैसे होगा, कहां होगा सभी तरह की जानकारी सामने आने के बाद, आईपीएल में खेलना हमेशा से अच्छा रहता है, लेकिन इसके संबंध में कई तरह की जानकारियां आना बाकी हैं उसके बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। ज्यादा जानकारी पाना अच्छा होगा।

अश्विन ने की कुमारा संगाकारा-रिकी पोंटिंग को गेंदबाजी करने की तुलना, इसे बताया सर्वश्रेष्ठ

नई दिल्ली ।

रविचंद्रन अश्विन ने जब अपना टेस्ट डैब्यू किया था तब उनके सामने दो महान बल्लेबाज थे। दोनों का सामना करने में अश्विन को अच्छे-बुरे नतीजे मिले। रिकी पोंटिंग ने 2011/12 सीरीज के दौरान अश्विन के खिलाफ बिना आऊट हुए 256 गेंदों का सामना करते हुए 148 रन बनाए थे। वहीं, श्रीलंका के कुमार संगाकारा के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। अश्विन ने एक सीरीज में संगाकारा को महज 23 रन देते हुए चार बार आऊट कर दिया था। अपने करियर के शुरुआती चैलेंज पर बाते करते हुए अश्विन ने कहा- मुझे लगता है कि मैंने रिकी पोंटिंग के खिलाफ बहुत कम खेला। मुझे स्पष्ट याद है कि एडिलेड टेस्ट में उनका कैच दो बार छूटा था। सिडनी टेस्ट में उन्होंने कुछ रन बनाए लेकिन मैंने मेलबर्न में उनके खिलाफ बहुत कम गेंदबाजी की। रिकी पोंटिंग की तारफ करते हुए 33 साल के इस गेंदबाज ने कहा- मैं उस समय एक नया खिलाड़ी था। मैं वास्तव में गर्व महसूस करता हूं जब कोई मुझे वास्तव में अच्छी तरह से खेलता है। ऐसे समय में मैं उनका मुकाबला करने की कोशिश करता हूं। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है। जब आप अच्छा करते हैं, तो आप सीखते हैं, जब आप अच्छा नहीं करते हैं, तो आप मुश्किल से सीखते हैं। अश्विन बोले- मुझे हमेशा लगता था कि रिकी पोंटिंग एक बेहतरीन, बेहतरीन बल्लेबाज हैं। मैंने भी सोचा था कि वह काफी अच्छा खेलेंगे। क्योंकि जब हम ऑस्ट्रेलिया में थे तो उनपर कोई दबाव नहीं था । मैं तब नया था। मैं खेलना सीख रहा था। अश्विन ने बताया- जब यह संगाकारा के सामने आए तो उन्हें लगा कि वह वास्तव में भाग्यशाली हैं क्योंकि उस वक्त वह अपने जीवन की सबसे अच्छी फॉर्म में थे। तब गेंद एक सपने की तरह आ रही थी, मुझे कुछ भी सोचने की जरूरत नहीं थी। मेरी क्रिया और लय गति कविता की तरह थी। उन्हें कुछ अच्छी गेंदें मिलीं। बाएं हाथ के बल्लेबाज के खिलाफ गेंदबाजी करना मेरे लिए सपने की तरह है। जब मैंने देखा। बाएं हाथ का बल्लेबाज है तो मैंने नहीं देखा कि वह कौन है।

लीजेंड्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में स्विडलर से हारे आनंद

चेन्नई । पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को 150000 डॉलर इनामी लीजेंड्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में रूस के पीटर स्विडलर के खिलाफ 1.5-2.5 से हार का सामना करना पड़ा। मैग्नस कार्लसन चेस टूर में पहली बार हिस्सा रहे आनंद ने बेस्ट आफ फोर बाजी के मुकाबले में पहली तीन बाजी ड्रॉ खेली लेकिन उन्हें अंतिम बाजी में हार का सामना करना पड़ा। मई में आनलाइन नेशन्स कप में हिस्सा लेने के बाद वापसी कर रहे आनंद और स्विडलर तीन बाजी के बाद 1.5-1.5 से बराबरी थे लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अंतिम बाजी में हार के साथ मुकाबला गंवा दिया। अनुभवी बोरिस गेलफेंड ने पहले दिन उलटफेर करते हुए दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी चीन के डिंग लिरेन को 3-1 से हराया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के कार्लसन ने नीदरलैंड के अनीष गिरी को 3-1 से शिकस्त दी जबकि रूस के इयान नेपामनियाची ने व्लादिमीर क्रेमनिक जबकि लेको ने वैसिली इवानचुक को हराया सभी राउंड रोबिन मैच बेस्ट आफ फोर मुकाबले हैं। नेपोमनियाची और हंगरी के पीटर लेको भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। नेपामनियाची ने व्लादिमीर क्रेमनिक जबकि लेको ने वैसिली इवानचुक को हराया सभी राउंड रोबिन मैच बेस्ट आफ फोर मुकाबले हैं।

वापसी कर टोक्यो ओलंपिक में खेलना चाहती हूं: गीता फोगाट

मुंबई ।

दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारत की पहलवान गीता फोगाट ने कुश्ती में वापसी की उम्मीद जताते हुए कहा है कि वह अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं। दंगल गर्ल के नाम से मशहूर गीता ने टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के साथ ऑनलाइन चैट शो के दौरान कहा कि कोरोना के कारण टोक्यो ओलंपिक स्थगित होने से उन्हें ओलंपिक की तैयारियों के लिए ज्यादा समय मिल गया है। ओलम्पिक को इस साल 24 जुलाई से होना था लेकिन कोरोना वायरस के कारण ओलंपिक को स्थगित कर दिया गया था। ओलम्पिक का आयोजन अगले साल 23 जुलाई से आठ अगस्त तक किया जाएगा। 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान गीता ने कहा, ÷ओलंपिक स्थगित होने से मेरी खेल महाकुंभ में भाग लेने की उम्मीद बढ़ गयी है। इस एक साल में मुझे ट्रायल और क्वालीफिकेशन इवेंट की तैयारी के लिए ज्यादा समय मिलेगा।÷ गीता ने 2012 लंदन ओलम्पिक में हिस्सा लिया था और वह ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान थीं। 31 वर्षीय गीता ने कहा, ÷गर्भावस्था के दौरान मेरा वजन थोड़ा बढ़ गया था और मेरी पहली प्राथमिकता खुद को फिट रखने की है। इसके बाद जो भी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट होगा मैं उसमें भाग लूंगी और ओलंपिक का टिकट हासिल करने की कोशिश करुंगी। लॉकडाउन के दौरान 21 वर्षीय भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी दानी ने इस इंस्टाग्राम चैट सीरीज को शुरू किया था। इसका उद्देश्य युवा एथलीटों और प्रशंसकों को प्रेरित करना है। इससे पहले अभिनव बिंद्रा, लिएंडर पेस और केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू भी इस शो में भाग ले चुके हैं। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक

पदक विजेता गीता ने भारतीय पहलवान पवन कुमार सरोहा से 2016 में शादी की थी और इन दोनों को पिछले साल दिसंबर में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी। गीता ने कहा कि गर्भावस्था के बाद शुरुआत में काम करने में मुश्किल होती है लेकिन वह जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगी। गीता ने कहा, मैंने कुछ समय बाद ही ट्रेनिंग शुरु कर दी थी लेकिन डॉक्टर ने मुझे इसके लिए इंतजार करने के लिए कहा। हम पहलवानों को हल्का वर्कआउट करने की आदत नहीं है लेकिन पिछले कुछ महीनों से मैंने यह शुरु किया है। प्रतिद्वंद्वी के बिना ट्रेनिंग करना मुश्किल है, इसलिए मैं घर में रहकर व्यायाम कर रही हूं। उन्होंने कहा, पिछले चार-पांच वर्षों में भारत के प्रदर्शन में काफी बदलाव आया है। विनेश फोगाट सहित हमारे चार पहलवान विश्व चैंपियनशिप में पदक के साथ ओलम्पिक कोटा हासिल कर चुके हैं। यह दर्शाता है कि हमारे पहलवान ओलंपिक के लिए मजबूत तैयारी कर रहे हैं। गीता ने कहा, विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना काफी चुनौतीपूर्ण है और अगर हम 2019 की तरह अपनी लय बरकरार रखने में कामयाब रहे तो हम ओलंपिक में पदक जीतने के मजबूत दावेदार होंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना वायरस के कारण पीजीए टूर सीरीज-चाइना रद्द

वाशिंगटन । पीजीए टूर सीरीज-चीन गोल्फ सत्र कोरोना वायरस महामारी के कारण रद्द कर दिया गया। चीन स्थित टूर के कार्यकारी निदेशक ग्रेग कार्लसन ने कहा कि क्वालीफाइंग टूर्नामेंट एशिया में किसी और जगह कराना व्यावहारिक नहीं है और चीन में पाबंदियों के कारण 2020 में टूर्नामेंट का आयोजन करा पाना भी मुश्किल है। कार्लसन ने बयान में कहा, ''यह निराशाजनक है लेकिन मुझे पता है कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए हमारे खिलाड़ी और प्रशंसक इसे समझेंगे। चीन में इस समय पांच अलग महाद्वीपों के खिलाड़ियों के साथ टूर का आयोजन व्यावहारिक नहीं है। '' इस टूर का स्वामित्व पीजीए टूर के पास है और वह 2014 से चीन गोल्फ संघ के साथ मिलकर इसका संचालन करता है।

साइ ने 32 विदेशी कोचों का अनुबंध अगले साल सितंबर अंत तक बढ़ाया

नयी दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बुधवार को 11 खेलों के 32 विदेशी कोचों का अनुबंध अगले साल सितंबर के आखिर तक बढ़ा दिया है ताकि तोक्यो ओलंपिक तक खिलाड़ियों की अभ्यास में निरतंरता बनी रहे। इन 32 में से शीर्ष कोच जैसे मुक्केबाजी में सैंटियागो निएवा और रफाएल बर्गामास्को, पुरूष हॉकी में ग्राहम रीड और निशानेबाजी में पावेल स्मिरनोव शामिल हैं। इनमें से कई कोचों का अनुबंध इस साल सितंबर में समाप्त होना था। राष्ट्रीय फुटबॉल कोच इगोर स्टिमक का अनुबंध भी बढ़ा दिया गया, हालांकि इसका ओलंपिक से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें पिछले साल मई में दो साल के कार्यकाल के लिये नियुक्त किया गया था। इस महीने के शुरू में खेल मंत्रालय ने कहा था कि सभी विदेशी कोचों के अनुबंध अगले साल सितंबर के अंत तक बढ़ा दिये जायेंगे। साइ ने कहा कि यह फैसला तोक्यो ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिये लिया गया कि वे अपनी ट्रेनिंग जारी रख सकें क्योंकि कोविड-19 महामारी के चलते इन खेलों को एक साल के लिये स्थगित कर दिया गया है। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने विज्ञप्ति में कहा, ''तोक्यो ओलंपिक के एक साल तक स्थगित होने से कुछ कोचों को बरकरार रखना जरूरी हो गया ताकि खिलाड़ियों को किसी भी तरह से मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़े। '' उन्होंने कहा,''एक नये कोच को खिलाड़ी को समझने में समय लगता है और खिलाड़ी को कोच की ट्रेनिंग प्रक्रिया को समझने के लिये समय की जरूरत होती है। ''एक नये कोच को खिलाड़ी को समझने में समय लगता है और खिलाड़ी को कोच की ट्रेनिंग प्रक्रिया को समझने के लिये समय की जरूरत होती है। हमारे पास इसका समय नहीं है। '' साइ के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा कि करार की सभी शर्तें पहले की तरह समान हैं। रीजीजू ने पहले घोषणा की थी कि भारतीय और विदेशी कोचों को अब से कम से चार वर्ष या एक ओलंपिक चक्र तक के लिये अनुबंधित किया जायेगा ताकि निरंतरता सुनिश्चित रहे।

लाइव मैच के दौरान 16 साल के फुटबॉलर पर गिरी बिजली, सोने की चेन ने बचाई जान

स्पोर्ट्स डेस्क । रूस के मॉस्को में एक फुटबॉल मैच के दौरान आसमानी बिजली सीधे 16 साल के फुटबॉलर इवान जोबोरोवोस्की पर गिरी। इस घटना के बाद फुटबॉलर मैदान पर ही बेहोश हो गया और उसे तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक इवान अब ठीक है। ये सारी घटना कैमरे में कैद हुई है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इवान एफसी जनाम्या तरुडा के गोलकीपर हैं और जब ये हादसा हुआ तो वह गोलपोस्ट के पास खड़े थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इवान ने गले में सोने की चेन पहन रखी थी जिससे जान बच गई। हालांकि फुटबॉल स्टेडियम में उपस्थित सभी लोगों को लगा था कि इवान जिंदा नहीं बचेगा। इस घटना के तुरंत बाद कोच एंटन बसोव गोलकीपर के पास दौड़कर गए। उन्होंने इवान को पलटकर देखा तो उनकी जर्सी जली हुई थी। हालांकि हैरानी की बात थी कि इवान के गले में लटकी सोने की चेन को कुछ नहीं हुआ था। इसके बाद प्राथमिकी देकर इवान को अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल अब इवान ठीक हैं और एक बार फिर उनकी मैदान पर वापसी हो गई है।

मैक्सवेल ने विश्व कप से की आईपीएल की तुलना, कहा- मिलती हैं काफी चुनौतियां

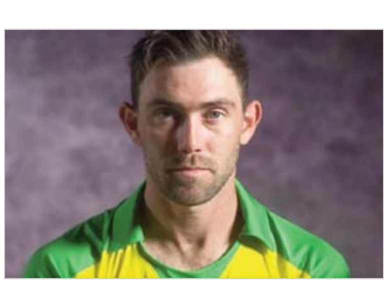

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलियाई बिग हिटर खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को छोटे स्तर का विश्व कप मानते हैं जिसमें विदेशी खिलाड़ियों को एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए काफी चुनौतियां मिलती हैं। टी20 विश्व कप के स्थगित होने से बीसीसीआई के लिए सितंबर-नवंबर की विंडो में आईपीएल आयोजित करने का रास्ता साफ हो गया है। बीसीसीआई ने केंद्र सरकार से लीग को संयुक्त अरब अमीरात में कराने की अनुमति मांगी है, जहां क्रिकेट खेलने वाले अन्य देशों की तुलना में अभी तक कोविड-19 के कम मामले सामने आए हैं। मैक्सवेल ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स से कहा, 'आपको आईपीएल पर इंतजार करना होगा, अन्य लोगों के फैसले का इंतजार करना होगा कि यात्रा और पृथकवास समय और अन्य चीजों के बारे में आप क्या कर सकते हो और क्या नहीं। अगर सबकुछ सही रहता है तो मुझे इसके लिए नहीं जाने का कोई कारण नहीं दिखता है। उन्होंने कहा, 'विदेशी खिलाड़ियों को इसमें खेलकर काफी रोमांच मिलता है, इसेमें विश्व कप की तरह दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कंधे से कंधा मिलाकर खेलते हैं, लेकिन छोटे स्तर पर। अगर सब सही हुआ तो मैं इसके लिए उपलब्ध रहना पसंद करूंगा। यह आलराउंडर इंग्लैंड दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की 26 सदस्यीय टीम का हिस्सा है। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल मानसिक स्वास्थ्य संबंधित कुछ समस्याओं के कारण ब्रेक लिया था।

मैक्सवेल ने कहा कि वह हालांकि राष्ट्रीय कोच जस्टिन लैंगर के संपर्क में रहे। उन्होंने कहा, 'साल के इस समय घर पर रहना थोड़ा लग्जरी की तरह था। मैंने समय का लुत्फ उठाया, दिमागी और शारीरिक रूप से तरोताजा हुआ।

टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ने पोलैंड की सुपरलीगा टीम से करार किया

चेन्नई । भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों में से शामिल जी साथियान ने मंगलवार को पोलैंड की आगामी टेबल टेनिस लीग (सुपरलीगा) के लिए सोकोलोव एस.ए. जारसोस्लॉ टीम से करार किया। पोलैंड सुपरलीगा के सितंबर में शुरू होने की संभावना है। इस 27 साल के भारतीय खिलाड़ी ने इससे पहले जापान की टेबल टेनिस लीग में ओकायामा रिवेट्स टीम से करार किया था जहां वह 12 मैच खेल सकते हैं। साथियान ने ट्विटर पर पोलैंड टेबल टेनिस लीग से जुड़ने की खबर को साझा करने के बाद पीटीआई-भाषा से कहा, '' मैं यूरोप प्रवास के दौरान अधिक मैच अभ्यास करना चाहता हूं, इसलिए मैंने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने कहा- मैं पोलैंड में काफी कम मैच खेलूंगा, शायद चार या पांच मैच। जब यूरोप में प्रो टूर होते हैं तो जापान में लीग आयोजित नहीं की जाएगी। जापान लीग पूरे साल नहीं चलती है, ऐसा ही पोलैंड की लीग के साथ है। यहां एक सप्ताह में तीन या चार मैच होते हैं। विश्व रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज चेन्नई के इस खिलाड़ी ने कहा- मैं केवल दो सप्ताह तक पोलैंड में रहूंगा। यह मेरे लिए अच्छा समय होगा क्योंकि सुपरलीगा में कड़ी स्पर्धा होती है। पोलैंड में बहुत सारे शीर्ष खिलाड़ी हैं, बहुत सारे एशियाई हैं। वहां प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक हैं। साथियान ने कहा- जब मुझे प्रस्ताव मिला तो मुझे लगा कि मौके का इस्तेमाल करना चाहिए। मैं कुछ साल पहले वहां एक बार खेला था। यही कारण है कि मैंने वहां खेलने का फैसला किया।

ओलंपिक में पदक जीतने के लिए योजना को अमलीजामा पहनाना महत्वपूर्ण: भास्करन

नई दिल्ली । ओलंपिक में 1980 में भारत के लिए आठवां और आखिरी स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के कप्तान रहे वी भास्करन का मानना है कि अगर भारत को अगले साल तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने का अपना सूपना पूरा करना है तो टीम के लिए योजना को अमलीजामा पहनाना महत्वपूर्ण है। आठ स्वर्ण पदक के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ओलंपिक इतिहास की सबसे सफल टीम है लेकिन 1980 मास्को खेलों के बाद से टीम पदक जीतने में नाकाम रही है। दूसरी तरफ महिला टीम ने भी इस बार तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भास्करन ने हॉकी इंडिया के लिए कॉलम में लिखा- मुझे लगता है कि भारतीय पुरुष और महिला टीम योजना को अच्छी तरह से अमलीजामा पहनाए। अगर वे ऐसा करते हैं तो मुझे यकीन है कि वह निश्चित तौर पर पदक जीत पाएंगे। भास्करन ने कहा कि अगर टीम को पदक जीतना है तो प्रत्येक खिलाड़ी को शत प्रतिशत नहीं तो कम से कम 80 प्रतिशत योगदान देने की जरूरत है। भास्करन ने कहा- ओलंपिक में प्रत्येक टीम जीतने के लिए आती है और वे आपको शत प्रतिशत देने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। सिर्फ चार-पांच खिलाडि़यों के 80 प्रतिशत और बाकी खिलाडि़यों के 60 प्रतिशत योगदान के साथ पदक नहीं जीता जा सकता।प्रत्येक खिलाड़ी के प्रदर्शन में निरंतरता होनी चाहिए और भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड कई बार यह बात कह चुके हैं।

कोचिंग करियर दौरान कुंबले को इस बात का रहा मलाल, बताई दिल की बात

नई दिल्ली ।

पूर्व कप्तान अनिल कुंबले को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में अपने समय का पछतावा नहीं है, लेकिन वह कहते हैं कि उनका कार्यकाल बेहतर तरीके से समाप्त हो सकता था। कप्तान विराट कोहली के साथ अनबन के बाद 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद 49 वर्षीय कुंबले ने यह पद छोड़ दिया था। पूर्व स्पिनर ने पूर्व-जिम्बाब्वे क्रिकेटर पम्मी मम्बावावा से कहा- हम उस एक वर्ष की अवधि में वास्तव में अच्छा रहे। मैं वास्तव में खुश था कि मैंने कुछ योगदान दिया। मुझे कोई पछतावा नहीं था। उन्होंने कहा- मैं जानता हूं कि अंत बेहतर हो सकता था लेकिन फिर भी ठीक है। कोच के तौर पर आप महसूस करते हो कि आगे बढने का समय कब है, कोच ही होता है जिसे आगे बढने की जरूरत होती है। मैं सचमुच काफी खुश था, मैंने उस एक साल में काफी अहम भूमिका निभाई थी। कुंबले का बतौर कोच एक साल काफी सफल रहा था जिसमें टीम 2017 में चैम्पियंस ट्राफी के फाइनल में पहुंची थी और साथ ही टेस्ट टीम के तौर पर भी काफी मजबूत हुई थी, जिसने उनके कार्यकाल के दौरान 17 में से केवल एक ही टेस्ट गंवाया था। उन्होंने कहा- मैं बहुत खुश था कि मैंने भारतीय कोच की भूमिका को लिया था। मैंने भारतीय टीम के साथ जो एक साल बिताया था, वह सचमुच शानदार था। भारत के लिए 132 टेस्ट में 619 विकेट और 271 वनडे में 337 विकेट लेने वाले कुंबले ने कहा- बेहतरीन खिलाडियों के साथ और भारतीय ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनना एक शानदार अहसास है। कुंबले इस समय इंडियन प्रीमियर लीग में किंग्स इलेवन पंजाब फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच हैं।

नारी

10 दिनों में पाएं खूबसूरती

खुद को खूबसूरत बनाए रखने के लिए आप प्रतिदिन कुछ न कुछ करती रहती होंगी लेकिन दस दिनों के अंदर त्वचा में निखार पाना है तो 10 दिनों के इस रिन्यूइंग ब्यूटी केयर प्रोग्राम पर गौर करें

डेली नरिशिंग-

त्वचा को मुलायम और चिकना बनाए रखने के लिए थोड़े से शहद में एक चम्मच संतरे का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट रखने के बाद धो लें। शहद सभी तरह के स्किन टाइप को सूट करता है। तैलीय और एक्ने-प्रोन स्किन के लिए एक चम्मच शहद, एक चम्मच दही और चुटकी भर हल्दी मिलाकर 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं फिर धो लें।

आई केयर-

बादाम के तेल से आंखों के आसपास की त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। 15 मिनट रखने के बाद मॉइस्ट कॉटन वूल से पोछ लें। हाथों-पैरों की

देखभाल-

3 चम्मच गुलाब जल, 2 चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच शहद मिलाकर हाथों-पैरों पर लगाएं और आधे घंटा रखने के बाद धो लें।

तीसरे और दसवें दिन फेस मास्क लगाएं-

3 चम्मच जई पाउडर, एक अंडे की सफेदी, एक चम्मच बादाम पाउडर, एक चम्मच शहद और एक चम्मच दही मिलाएं। रूखी त्वचा है तो अंडे की जर्दी मिलाएं। अन्य सामग्री में चाहें तो पपीते का गूदा या संतरे का रस भी फेस पैक में मिला सकती हैं। आंखों और होंठों के आसपास के भाग को छो ड़कर इस फेस पैक को लगाएं। सूख जाए तो दूध से नमी दें और 30 मिनट रखने के बाद धो लें। आई ब्राइटनर- फेस मास्क अप्लाई करने के बाद दो कॉटन वूल पैड्स को गुलाब जल में डुबो लें, फिर उसे आई पैड्स की तरह आंखों पर रख कर 20 मिनट तक रिलैक्स करें।

बॉडी स्क्रब अप्लाई करें- एक्सफोलिएशन डेड स्किन सेल्स तो हटाता ही है। साथ ही, त्वचा की बाहरी परत पर रक्त प्रवाह को संतुलित भी रखता है। चावल का पाउडर, तिल के दरदरे किए हुए दाने, सूखी पुदीने की पत्ती, दही, शहद और चुटकी भर हल्दी पाउडर मिलाएं। तिल के दाने सूर्य की नुकसानदायक किरणों से त्वचा को सुरक्षा प्रदान करता है। सूखी पुदीने की पत्ती को पाउडर बना कर उसमें तिल, थोड़ा शहद मिलाकर त्वचा पर अप्लाई करें। यह टैनिंग दूर करने के साथ कलर टोन भी बढ़ाता है। पुदीने में उत्तेजक प्रभाव होता है जो त्वचा में ग्लो लाता है, वहीं शहद त्वचा को मॉइश्चराइज और मुलायम करता है। यदि त्वचा रूखी है तो इस मिशण्रमें एक चम्मच बादाम का तेल मिला लें। इसे नहाने से पहले शरीर पर लगाकर मसाज करें, उसके बाद स्नान कर लें। उसके बाद तिल या ऑलिव ऑयल लगा कर मसाज करें। आप खुद से भी बॉडी मसाज ऑयल तैयार कर सकती हैं। 8 बूंद एसेंशियल ऑयल की 50 एमएल तिल या ऑलिव ऑयल में मिलाएं। चाहें तो गुलाब, लावेंडर, चंदन से बना एसेंशियल ऑयल लें। एसेंशियल ऑयल डायरेक्ट कभी न लगाएं। इसे बादाम, ऑलिव या तिल के तेल के साथ मिलाकर ही प्रयोग करें। मसाज करने से पहले तेल को गुनगुना जरूर कर लें।खनींबू का रस और दानेदार चीनी लें। चीनी का दाना थोड़ा बड़ा होना चाहिए। दोनों को अच्छी तरह से मिला लें। हाथों पर अप्लाई कर आराम से तब तक रगड़ें, जब तक चीनी घुल न जाए। 5 मिनट रखने के बाद पानी से धो लें। संतरे के छिलके को फोर्क से छेद करें। इस छिलके से हाथों को रगड़ें। नाखूनों और उपत्वचा (क्यूटिकल्स) को मुलायम और नरिश करने के लिए बादाम का तेल और शहद मिलाकर हाथों, नाखूनों और उपत्वचा पर मसाज करें। 20 मिनट रखने के बाद पानी से धो लें।

ड्राई, डैमेज बालों के लिए-

ऐसे बालों को मैनेज करने के लिए दो बूंद लाइट वेजीटेबल ऑयल जैसे सनफ्लावर ऑयल हथेलियों पर लेकर मिलाएं और बालों में लगाएं। इससे रूखे बाल उलझते नहीं।

हेयर कंडीशनिंग-

शैम्पू से पहले बालों को कंडीशन जरूर करें। एक चम्मच वेनेगर और एक चम्मच ग्लिसरिन को एक अंडे में मिलाएं और अच्छे से फेंट लें। इस मिशण्रको स्कल्प पर लगाएं। फिर 20 मिनट के बाद गर्म तौलीय से सिर को लपेट लें। आपके बालों में चमक तो आएगा ही आसानी से मैनेज भी कर सकेंगी।

सजाएं शीशे

यूं तो घर सजाने के लिए कितने भी पैसे खर्च क्यों न कर डालें, कम ही लगता है। यदि घर अपना हो तो उसे पूरे दिल से सजाने का मन भी करता है पर बढ़ती महंगाई और बदलते वक्त के साथ घर की सजावट के तौर-तरीके भी बदले हैं। यदि घर डेकोरेट करने का सोच रही हैं तो शीशे का प्रयोग कर घर को और भी आकषर्क लुक दे सकती हैं। आजकल मार्केट में कई डिजाइनों में शीशे से बने डेकोरेटेड पीस कम दामों में मिल जाते हैं पर स्पेस को ध्यान में रखते हुए ही कुछ भी खरीदें। आप कितने ही तनाव में क्यों न हों, सुंदर, आकषर्क और व्यवस्थित घर सारा तनाव पल में दूर कर देगा। घर को शीशे सा सजाने के लिए इन बातों का रखें ध्यान- सजाएं शीशे

- शीशा लगाने से कमरा बड़ा तो लगता ही है साथ ही, कमरे को नया लुक भी मिलता है।
- पार्लर में इसलिए चारों तरफ दीवारों पर शीशे लगे होते हैं, इससे जगह कम भी हो तो भी ज्यादा जगह नजर आती है। दरअसल, शीशे की वजह से भ्रम पैदा होता है।
- शीशे को उस दीवार पर लगाएं जो दीवार गंदी हो चुकी है या फिर जिस दीवार पर सीलन आ चुकी है।
- ऐसा करने से आपकी गंदी दीवार भी ढक जाएगी और कमरे की खूबसूरती भी बढ़ जाएगी।
- शीशा लगवाते समय इस बात का भी विशेष ध्यान दें कि जिस दीवार पर शीशा लगवाना है उसके सामने वाली दीवार पर कुछ कलात्मक चीजें लगी हों ताकि वह शीशे में नजर आएं। ऐसा करने से भी कमरा बड़ा लगता है।
- बाथरूम में भी मिरर लगा सकती हैं। इससे छोटा बाथरूम बड़ा लगता है।

ऐसा माना जाता है कि टूटा हुआ शीशा ज्यादा दिन तक नहीं लगा कर रखना चाहिए क्योंकि इससे घर की बरक्कत घट जाती है।

- अगर कमरा छोटा है तो उसमें बड़े शीशे का प्रयोग कर सकती हैं।
- आजकल सूर्य के डिजाइन में आयरन मिरर काफी फैशन में हैं, इससे कमरे का लुक काफी आकषर्क लगता है।
- अपने कमरे के हिसाब और जगह को देखकर ही शीशे का चयन करें।
- अगर बेडरूम में शीशा लगवाना हो तो बेड के ठीक सामने शीशा न लगवा कर उसे दूसरी दीवार पर लगाएं।
- मार्केट में चौकोर, त्रिकोण या गोल, बहुत से आकार के शीशे उपलब्ध होते हैं। अपनी जरूरत के हिसाब से इनका चयन करें।

अनिता घोष

मूड बन जाए मिनटों में

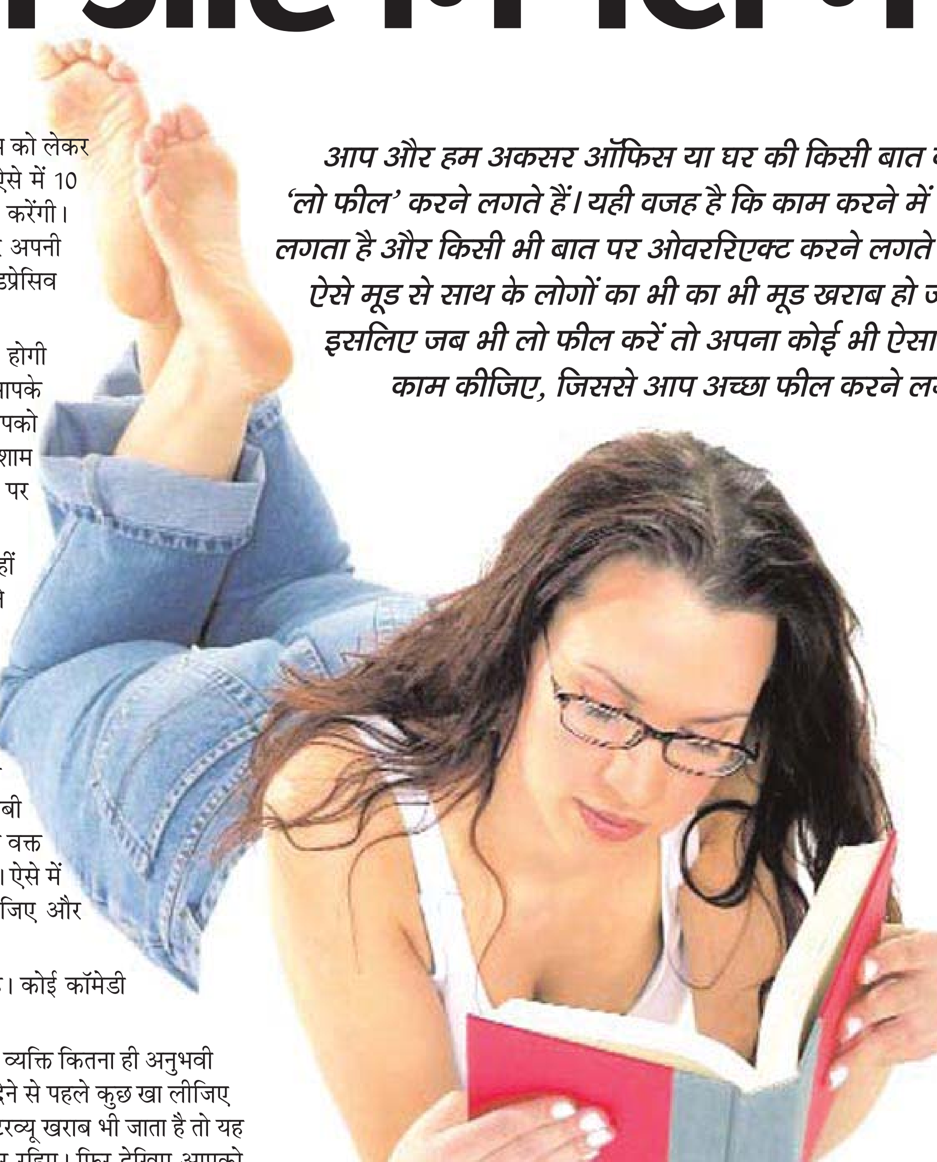

आप और हम अकसर ऑफिस या घर की किसी बात को लेकर 'लो फील' करने लगते हैं। यही वजह है कि काम करने में मन नहीं लगता है और किसी भी बात पर ओवररिएक्ट करने लगते हैं। हमारे ऐसे मूड से साथ के लोगों का भी का भी मूड खराब हो जाता है। इसलिए जब भी लो फील करें तो अपना कोई भी ऐसा फेवरेट काम कीजिए, जिससे आप अच्छा फील करने लगें

- ऑफिस में किसी ने कोई ताना मारा या फिर बॉस ने किसी काम को लेकर टोक दिया तो जाहिर-सी बात है कि आप लो फील करेंगी। ऐसे में 10 मिनट ऑफिस के लॉन में जाकर घूमें, इससे आप फ्रेश फील करेंगी। या ऑफिस के कैफेटेरिया में जाकर आइस्क्रीम, शेक या फिर अपनी कोई भी फेवरेट डिश व डेजर्ट खाएं। इससे आपका ध्यान डिप्रेसिव चीजों से हट जाएगा। जाए मिनटों में
- ऑफिस में अभी-अभी लगातार दो-तीन घंटे की मीटिंग हुई होगी और जाहिर है आप बुरी तरह पक गई। ऊपर से बॉस का आपके जूनियर के सामने डांटना, नाराज होना अच्छा नहीं लगा होगा। आपको बीपी लो हो गया होगा। बेहतर है कि यह सब भूल जाइए और शाम ऑफिस से घर जाने के बाद अपने पार्टनर के साथ लांग ड्राइव पर जाएं।
- लेट नाइट अटैंड करने के अगले दिन ऑफिस जाने का मन नहीं करता है। नींद पूरी न होने की वजह से भी आप लो फील करने लगती हैं। बेहतर होगा कि सोने से पहले और सुबह उठकर खूब सारा पानी पीएं। नींबू भी ले सकती हैं, इससे हैंगओवर उतर जाता है। ज्यादा लो फील करें तो आधे दिन की छुट्टी लेकर नींद पूरी करें।
- कभी-कभी कोई जरूरी काम बिगड़जाने से भी मूड खराब हो जाता है। आप लो फील करने लगती हैं और अपने सबसे करीबी व्यक्ति को फोन करके उससे बात करना चाहती हैं। मगर वह उस वक्त उपलब्ध नहीं होता है, तब और ज्यादा लो फील करने लगती हैं। ऐसे में आप शाम के वक्त शॉपिंग करने जाइए। दोस्त को बुला लीजिए और उसके साथ डिनर या फिर फिल्म देखने जाइए।
- टीवी देखने से भी कभी-कभी व्यक्ति रिलैक्स फील करता है। कोई कॉमेडी सीरियल या फिल्म देख लें।
- जॉब इंटरव्यू के लिए जाते वक्त घबराहट होने लगती है । भले ही व्यक्ति कितना ही अनुभवी हो लेकिन इंटरव्यू देते वक्त वह लो फील करता ही है। इंटरव्यू देने से पहले कुछ खा लीजिए और लंबी सांस लेकर दो मिनट आंखें बंद करके बैठ जाइए। इंटरव्यू खराब भी जाता है तो यह सोचकर भूल जाइए कि इससे बेहतर जॉब आपका इंतजार कर रहिए। फिर देखिए आपको कितना अच्छा लगेगा।
- कोई बुरी खबर सुनने पर भी मन खराब हो जाता है। सबसे पहले तो आप यह मान लीजिए कि आप कोई सपना नहीं देख रहें और वाकई ऐसा हुआ। चाहें तो वॉशरूम में जाकर थोड़ा रो सकती हैं, इससे मन हल्का होगा।
- कई बार कुछ भी बुरा न घटने के बावजूद मन अच्छा नहीं रहता है तो वैसे में आप किसी से बात करें। हां, कुछ जरूर खा लें क्योंकि कभी-कभी काम के चलते लंच करना भूल जाते हैं, जिससे बीपी लो होने लगता है। कुछ खा लें और फिर अपने किसी दोस्त के साथ फोन पर थोड़ी देर बात करें।

डिप्रेशन को दूर करने का सबसे बेहतर तरीका है- किताबें पढ़ें। हो सकता है कि किताब को देखते ही आपको उसे छूने का मन न करे लेकिन पढ़ने बैठेंगी तो आपको अच्छा लगेगा। लेकिन ऐसे में सिर्फ वही किताबें पढ़ें जो डिप्रेसिव न हो वरना आप और लो फील करने लगेंगी। ***गीता***

खुश्क मौसम में Hair केयर

'इट्स द टाइम टू बी केयरफुल'', यह मंत्र न सिर्फ हमारे हेल्थ के लिए है बल्कि हमारी स्किन और हमारे बालों के लिए भी उतना ही जरूरी है। स्किन की केयर तो हम सभी करते हैं लेकिन बालों की ओर हमारा ध्यान कम ही जाता है। इस मौसम में बालों की नमी खोने के साथ ऑयल भी कम हो जाता है। ऐसे में बाल ड्राई होने के साथ डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं और डैंड्रफ भी अपनी जड़ें जमा लेता है। खुश्क मौसम में बालों को सुरक्षित और खूबसूरत रखने के उपाय-

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए ऑयलिंग बहुत जरूरी है। सप्ताह में दो से तीन बार ऑयलिंग करें, रात भर तेल लगा रहने दें और सुबह शैम्पू कर लें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो लिव-इन कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, इसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- बाहर निकलते समय बालों को स्कार्फ से ढक कर रखें।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज करने के बाद बालों को स्टीम दें।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। इसके लिए दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिलाकर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के लिए रखें, उसके बाद धो दें।
- डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का जूस रूई की मदद से स्कैल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- रूसी के निदान के लिए स्कैल्प पर प्याज का जूस भी लगा सकते हैं। लगाने के आधे घंटे बाद शैम्पू कर लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार कराएं।

स्वीट कॉर्न एंड रोस्टेड कैप्सिकम सूप

सामग्री

डेढ़ कप उबले हुए अमेरिकन स्वीट कॉर्न के दाने, एक मध्यम आकार का शिमला मिर्च, आधा कप दूध, दो टेबलस्पून तेल, एक मध्यम आकार का प्याज बारीक कटा, नमक स्वादानुसार, दो ताजी लाल मिर्च तिरछी कटी हुई , एक टेबलस्पून कॉर्नफ्लोर

विधि

सीधे आंच पर शिमला मिर्च को हल्का भून लें। पानी भरे बाउल में इसे डालें और ऊपर से पतला छिलका उतार दें, बीज निकालें और बारीक काट लें। कॉर्न और दूध को ग्राइंडर में डालकर दरदरा पेस्ट तैयार करें। डीप पैन में तेल गर्म करें। इसमें प्याज डालकर हल्का भूरा होने तक फ्राई करें। इसमें कॉर्न का पेस्ट और एक कप पानी डालें। लगातार चलाते हुए पकाएं। शिमला मिर्च डालें और चलाती रहें। नमक, ताजी लाल मिर्च डालें और धीमी आंच पर पकाएं। कॉर्नफ्लोर को एक चौथाई कप पानी में घोलें और सूप में डालकर चलाएं। तब तक पकाएं जब तक सूप थोड़ा-थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। गर्मागर्म सर्व करें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंधिया समेत 61 सदस्यों ने ली राज्यसभा की शपथ, 36 सदस्यों की पहली बार हुई एंट्री

नेशनल डेस्क।

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने बुधवार को उच्च सदन के नवनिर्वाचित 61 सदस्यों में से 45 को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। कोविड-19 महामारी के कारण अंतर सत्र के दौरान शपथ ग्रहण समारोह राज्यसभा के चैम्बर में आयोजित किया गया। कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी में आये ज्योतिरादित्य सिंधिया, कांग्रेस के दिग्विजय सिंह और मल्लिकार्जुन खड़गे, झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और राज्य पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी समेत 61 नेता आज राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति एवं उच्च सदन के सभापति वेंकैया नायडू ने कहा कि देश के विधि निर्माता के रूप में आपका चुनाव हुआ है। नायडू ने कहा कि अपने दायित्व के निर्वहन में आप सुनिश्चित करें कि सदन में आपका आचरण नियमों के अनुकूल हो, स्थापित मानदंडों के अनुरूप हो और सदन के बाहर आपका आचरण नैतिकता के मानदंडों के अनुसार हो। तत्काल लाभ के लिए सदन में बाधा-व्यवधान डालने के प्रलोभन में न पड़ें बल्कि जनता की दृष्टि में इस सदन का सम्मान बढ़ाने के प्रति सदैव सचेत रहें। उपराष्ट्रपति ने कानून का शासन लागू हो यही देश का विधान है। और इसकी शुरुआत आप ही से होती है, जब आप सदन के नियमों और प्रथाओं का पालन करते हैं। शपथ ग्रहण करने वाले सदस्यों में 36 सदस्य ऐसे हैं जो पहली बार राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ले रहे हैं। सदस्यों ने सामाजिक दूरी के मानकों का पालन करते हुए शपथ ग्रहण किया ।

संक्षिप्त समाचार

आंगन में खेल रही मासूम की गुमशुदगी की सुलझी गुत्थी, दरिंदों ने दुष्कर्म के बाद कर दी थी हत्या

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा पुलिस ने 3 साल की मासूम की हत्या व दुष्कर्म के मामले की गुत्थी सुलझा ली है। इंसानियत को शर्मसार करने वाले इस मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इसमें अमरवाड़ा थाना क्षेत्र में नाबालिक बच्ची के हत्या मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कबूला कि पहले उन्होंने बच्ची को बारी बारी हवस का शिकार बनाया और बाद में पकड़े जाने के डर से मौत के घाट उतार दिया। आरोपियों ने कड़ी पूछताछ के बाद अपना जुर्म कबूला और बताया कि बच्ची को पैसे का लालच देकर अपहरण किया इसके बाद उसे अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया साथ ही हत्या कर दी मुख्य आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर पीड़िता का शव प्लास्टिक की बोरी में भरा इसके बाद दोनों बाइक से छोटा महादेव पहुंचे। सुनसान देखकर बच्ची का शव माचागोरा डैम जमानिया में फेंक दिया पुलिस ने इस पूरे मामले में आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। बता दें कि 17 जुलाई शाम अमरवाड़ा थाना क्षेत्र निवासी 3 वर्षीय बच्ची घर के सामने खेलने के दौरान लापता हो गई थी परिजन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की लगभग 2 दिनों तक पुलिस के हाथ आरोपियों तक नहीं पहुंच पाए। 20 जुलाई को बालिका का शव एक डैम में मिला था, संदेह के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी अमरवाड़ा निवासी 22 वर्षीय रितेश धुर्वे एवं सह आरोपी को गिरफ्तार किया।

अपनी 4 साल की बच्ची को बचाने के लिए किडनैपर्स से भिड़ गई मां

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इनदिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें घर के बाहर खेल रही 4 साल की बच्ची को दो किडनैपर्स ने अपरहण करने की कोशिश की। यह सारी घटना दिल्ली के शकरपुर की है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि शकरपुर इलाके के सुंदर ब्लॉक में एक 4 साल की बच्ची बारिश के बाद अपने घर के बाहर खेल रही थी। उसी दौरान काले रंग की बाइक पर आए दो किडनैपर्स बच्ची को अपहरण करने की कोशिश करने लगे। बच्ची की मां ने पहले इनसे किसी तरह बच्ची को छीना और फिर पड़ोसी ने इनके पीछे दौड़कर इन्हें पकडने की कोशिश की। यह सारी घटना सीसीटीवी कैद हो गई। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश करने में जुटी हुई है।

पत्रकार की मौत पर बोलीं मायावती- यूपी में कोरोना से ज्यादा घातक बन चुका है क्राइम वायरस

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने गाजियाबाद के पत्रकार विक्रम जोशी की आज हुई मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और राज्य सरकार से पीड़ित परिवार को जल्द सहायता देने की मांग की है। मायावती ने अपने लगातार 2 ट्वीट में कहा, 1. अभी हाल ही में यूपी के जंगलराज में गाजियाबाद में अपनी भांजी के साथ छेड़छाड़ के विरोध में विक्रम जोशी को गोली मार कर घायल कर दिया गया जिनकी आज मृत्यु पर दुखी परिवार के प्रति बसपा की गहरी संवेदनायें। 2. साथ ही, बी.एस.पी. की यह भी माँग है कि यू.पी सरकार द्वारा पीड़ित परिवार को आज जो कुछ भी मदद करने की बात कही गई है तो उसे सरकार समय से भी दे और इसके लिए पीड़ित परिवार को अधिकारियों के चक्कर न काटने पड़े तो यह बेहतर होगा। एक अन्य ट्वीट में मायावती ने कहा कि यूपी में कानून का नहीं बल्कि जंगलराज चल रहा है। गौरतलब है कि गाजियाबाद के विजयनगर इलाके में सोमवार को बदमाशों की गोली से घायल पत्रकार विक्रम जोशी की आज तड़के मृत्यु हो गयी है जबकि लोकभवन के बाहर शुक्रवार को आत्मदाह करने वाली दो महिलाओं में से एक ने दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतक पत्रकार के पीड़ित परिवार को 10 लाख रूपये, पत्नी को सरकारी नौकरी और बच्ची को मुफ्त शिक्षा देने की घोषणा की है।

रेड की धमकी से कांग्रेस डरने वाली नहीं : सुरजेवाला

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केन्द्र की मोदी सरकार पर जांच एंजेसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि रेड की धमकी से कांग्रेस डरने वाली नहीं हैं। सुरजेवाला आज यहां एक प्रेस कांफ्रेस में कहा कि केन्द्र सरकार जांच एंजेसियों का दुरुपयोग कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रेड राज पैदा किये हुए है, लेकिन इससे कांग्रेस डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस वक्त बौखला गई हैं और वह डर बैठाने के लिए ईडी की कार्वाई कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले विधायक कृष्णा पूनियां से सीबीआई द्वारा पूछताछ कराई गई और अब आज जोधपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बड़े भाई अग्रसेन गहलोत के घर में ईडी की रेड कर रही है। उन्होंने कहा कि अग्रसेन गहलोत का कसूर इतना सा है कि वह मुख्यमंत्री का भाई हैं। वह न तो राजनीति में हैं और न ही उनका राजनीति से कोई सरोकार है। उन्होंने कहा कि उनके घर पर केन्दीय सशस्त्र बल तैनात कर दिये और ईडी रेड कर रही है, लेकिन रेड राज से राजस्थान डरने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि मोदी सरकार कांग्रेस में डर बैठाने के लिए इस तरह की कार्वाई कर रही है। लेकिन रेड राज से राजस्थान डरने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि मोदी सरकार कांग्रेस में डर बैठाने के लिए इस तरह कीकार्वाई कर रही है।कार्वाई कर रही है। कार्वाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कि भाजपा जब जब संकट में होती है वह सीबीआई, ईडी एवं इंकम टैक्स की कार्वाई करती है।

अगस्त तक 5000 भारतीयों पर होगा कोरोना वैक्सीन का ट्रायल, इंडिया में दिसंबर तक 4 मिलियन खुराक होगी तैयार

लंदन।

ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के टीके में कोई गंभीर साइड इफेक्ट और दो खुराक प्राप्त करने वाले लोगों में सबसे मजबूत प्रतिक्रिया के साथ एंटीबॉडी और टी-सेल प्रतिरक्षा को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। द लांसलर मेडिकल जर्नल में सोमवार को प्रकाशित परीक्षण के परिणामों के अनुसार ऑक्सफोर्ड और उसके एस्ट्राजेनेका द्वारा वैक्सीन के निर्माण के लिए दुनिया की सबसे बड़ा वैक्सीन निर्माता को चुना है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी अदार पूनावाला ने कहा कि कोविशिल्ड पहली कोविड -19 वैक्सीन है, जिसे यूके और भारत दोनों में परीक्षण सफल होने पर उन्हें लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। पूनावाला ने कहा कि कोविड -19 वैक्सीन उम्मीदवार के ट्रायल की शुरुआत अगस्त के अंत तक 5,000 भारतीय स्वयंसेवकों से की जाएगी और आवश्यक अनुमति मिलने के बाद अगले साल जून तक वैक्सीन को लॉन्च कर दिया जाएगा। अदार पूनावाला ने समाचार चैनल इंडिया टुडे को दिए के मध्य-अगस्त में बड़े पैमाने पर विनिर्माण करेंगे। इस साल के अंत तक, हमें 3 से 4 मिलियन खुराक का उत्पादन करने में सक्षम है। प एक साक्षात्कार में कहा, हम अगस्त के मध्य-अगस्त में बड़े पैमाने पर विनिर्माण करेंगे। इस साल के अंत तक, हमें 3 से 4 मिलियन खुराक का उत्पादन करने में सक्षम है।

पूनावाला ने कहा कि कोविड -19 वैक्सीन उम्मीदवार के ट्रायल की शुरुआत अगस्त के अंत तक 5,000 भारतीय स्वयंसेवकों से की जाएगी और आवश्यक अनुमति मिलने के बाद अगले साल जून तक वैक्सीन को लॉन्च कर दिया जाएगा। अदार पूनावाला ने समाचार चैनल इंडिया टुडे को दिए एक साक्षात्कार में कहा, हम अगस्त के मध्य-अगस्त में बड़े पैमाने पर विनिर्माण करेंगे। इस साल के अंत तक, हमें 3 से 4 मिलियन खुराक का उत्पादन करने में सक्षम है।

दिल्लीः भारी में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी, पानी में डूबीं सड़कें...लगा लंबा जाम

नेशनल डेस्क। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को भी भारी बारिश हुई। बारिश के कारण दिल्ली-गुड़गांव में कई जगह लंबा जाम लग गया। जलजमाव के कारण कई रास्ते भी बंद कर दिए गए। मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी एडवाइजरी जारी करके लोगों कई रास्तों से बचकर चलने की सलाह दी है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से रिंग रोड पर बिल्डिंग के पास जलभराव के कारण भैरो मार्ग से फ्लाईओवर की तरफ न जाने की सलाह दी है क्योंकि जलभराव के कारण इन रास्तों को बंद कर दिया गया है। वहीं चिराग दिल्ली से नेहरु प्लेस की ओर जा रही सड़क पर सावित्री सिनेमा के पास बस के खराब होने से जाम लग गया है। बता दें कि दिल्ली में मानसून ने अब जोर पकड़ा है। दिल्ली में रविवार से भारी बारिश हो रही है। मंगलवार को भी शहर के निचले इलाकों में जलजमाव हो गया और वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। स्थानीय लोगों ने घरों में घुसते बारिश के पानी और सड़कों पर फंसे हुए वाहनों की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। इससे पहले रविवार को शहर में भारी बारिश से मची तबाही के कारण चार लोगों की मौत हो गई। मौसम विज्ञानियों ने कहा कि उत्तर पश्चिमी भारत में अगले दो से तीन दिन में बंगाल की खाड़ी से आने वाली आर्द्र पूर्वी हवाओं और अरब सागर से आने वाली दक्षिण-पश्मिच हवाओं का मेल होता रहेगा।

कोरोना से मरने वाले जवानों को मिलेगा शहीद का दर्जा, परिवार को मिलेंगे 15 लाख रुपए

नेशनल डेस्क। कोरोना के कारण मरने वाले जवानों को अब शहीद का दर्जा दिया जाएगा। इसके साथ ही उनके परिवार को 'भारत के वीर फंड' में से 15 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। सरकार की ओर से जवानों के परिवार वालों को ये राशि विभागीय मदद के अतिरिक्त दी जाएगी। गृह मंत्रालय ने सुरक्षा बलों की ओर से भेजे गए इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसके बाद से सुरक्षा बलों ने मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत कोरोना शहीदों का ब्यौरा भारत के वीर पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। इसके साथ ही परिजनों को सीधे मदद देने के लिए उनकी अकाउंट डिटेल भी शेयर की जाएगी। वहीं जो लोग भारत के वीर फंड में सीधे दान करना चाहते हैं वे सीधे भी दान कर सकते हैं। देशभर में अब तक 39 जवानों की कोरोना के कारण मौत हो चुकी है।

राजा मानसिंह हत्याकांडः कोर्ट ने 11 दोषी पुलिसकर्मियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

भरतपुर/मथुरा।

राजस्थान में भरतपुर के कस्वा डीग में 35 साल पहले हुए बहुचर्चित राजा मानसिंह हत्या कांड में उत्तर प्रदेश के मथुरा की एक अदालत ने आज 11 दोषी पुलिसकर्मियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे पहले इन सभी को कोर्ट ने दोषी करार दिया था जबकि मामले में तीन लोगों को बरी कर दिया। मथुरा की जिला एवं सेशन कोर्ट की जज साधना रानी ठाकुर ने मंगलवार को मामले में भरतपुर के तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक कान सिंह भाटी, एसएचओ डीग वीरेंद्र सिंह, सुखराम, आरएसी के हेड कांस्टेबल जीवाराम, भंवर सिंह, कांस्टेबल हरी सिंह, शेर सिंह, छत्तर सिंह, पदमाराम, जगमोहन, एसआइ रवि शेखर को दंड संहिता की धारा 148, 149, 302 के तहत दोषी करार दिया है। अदालत ने भरतपुर पुलिस लाइन के हेड कांस्टेबल हरी किशन, कांस्टेबल गोविन्द प्रसाद, इंस्पेक्टर कान सिंह सिरबी पर जीडी में फेरबदल करने का आरोप साबित नहीं होने के बाद मामले से बरी कर दिया। गौरतलब है कि 20 फरवरी 1985 को विधानसभा चुनाव के दौरान डीग किले से पूर्व राजपरिवार के ध्वज हटाने को लेकर पुलिस तथा मानसिंह के बीच हुए विवाद में पुलिस फायरिंग में मानसिंह तथा उनके सहयोगी सुमेर सिंह और हरि सिंह की मौत हो गयी थी। मामले के राजनीतिक तूल पकडने पर जांच का काम केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौपने के साथ मामले की सुनवाई उत्तर प्रदेश में मथुरा के जिला एवं सेशन कोर्ट को सुपुर्द की गई थी।

बीएसएफ जवानों की फिटनेस मुहिम- साथी जवान को कंधे पर बैठा लगाएंगे 200 मीटर की दौड़

नेशनल डेस्क ।

सीमा सुरक्षा बल में फिटनेस को लेकर नई मुहिम शुरू की है। इस नई मुहीम को शुरू करने का मकसद है कि जवान और अफसर हमेशा चुस्त बने रहें। इन दिनों देश जिन चुनौतियों का समाना कर रहा है उसमें की यह नई मुहिम काफी अहम है। डीजी का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे एसएस देसवाल ने अब दिल्ली में अधिकारियों और कर्मियों को दौड़ाने का आदेश जारी किया है। नई मुहीम के तहत अब शारीरिक दक्षता परीक्षा में करीब दो हजार से ज्यादा अधिकारियों और कर्मियों को साढ़े तीन किलोमीटर दौड़ना होगा। इतना ही नहीं 55 साल के जवान को अपने साथी को कंधे पर बैठाकर 200 मीटर की दौड़ लगानी होगी और 6 फुट की दीवार व 9 फुट गहरा गड्ढा भी लांघना पड़ेगा। साथ ही, बंदर रस्सी वाले करतब दिखाने पड़ेंगे। बता दें कि देश एक तरफ जहां कोरोना वायरस से लड़ रहा है और जवान भी इसकी चपेट में आ गए। वहीं पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन के साथ भी काफी तनाव रहा। ऐसे में इन परिस्थितियों का सामना करने के लिए जवानों का फिट होना भी जरूरी है, इसलिए यह फिटनेस मुहिम चलाई गई है।

कांग्रेस के 'लम्हों की खता', मुस्लिम महिलाओं के लिए 'दशकों की सजा बनी : नकवी

नई दिल्ली।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तीन तलाक को गैरकानूनी घोषित किये जाने को बड़ा सुधार करार देते हुए कहा कि कांग्रेस ने कुछ ''दकियानूसी कट्टरपंथियों के कुतकरं और दबाव के आगे घुटने टेक कर मुस्लिम महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करने का पाप किया था जिसके कारण कांग्रेस के ''लम्हों की खता, मुस्लिम महिलाओं के लिए ''दशकों की सजा बन गई। जहां कांग्रेस ने सियासी वोटों के उधार की चिंता की थी,वहीं मोदी सरकार ने सामाजिक सुधार की चिंता की। नकवी ने एक बयान जारी कर बुधवार को कहा कि वैसे तो अगस्त, इतिहास में महत्वपूर्ण घटनाओं के पन्नों से भरपूर है। आठ अगस्त ''भारत छोड़ो आंदोलन, 15 अगस्त भारतीय स्वतंत्रता दिवस, 19 अगस्त ''विश्व मानवीय दिवस, 20 अगस्त ''सद्धावना दिवस, पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होना जैसे इतिहास के सुनहरे लफ्जों में लिखे जाने वाले दिन हैं। उन्होंने कहा कि एक अगस्त, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की कुप्रथा,कुरीति से मुक्त करने का दिन, भारत के इतिहास` मुस्लिम महिला अधिकार दिवस के रूप में दर्ज हो चुका है। तीन तलाक या तिलाके बिद्दत जो ना संवैधानिक तौर से ठीक था, ना इस्लाम के नुक्तेनजर से जायज़ था फिर भी हमारे देश में मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न से भरपूर गैर-क़ानूनी, असंवैधानिक,गैर-इस्लामी कुप्रथा तीन तलाक, वोट बैंक के सौदागरों के सियासी संरक्षण में फलता-फूलता रहा।

2 लाख से ज्यादा चीनी सैनिक युद्ध के लिए 'रेडी मोड' पर

नई दिल्ली।

सैन्य कमांडरों के बीच 14 घंटे तक चली चौथे दौर की वार्ता के एक सप्ताह के बाद भी पैंगोंग लेक इलाके में भारत एवं चीनी सेनाओं के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। चीनी सेना फिंगर-5 इलाके में डटी हुई है तथा पिछले छह दिनों में उसके पीछे हटने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। तनाव के बीच भारतीय सैन्य अधिकारी चीन की पीपल्स लिब्रेशन आर्मी द्वारा भारत के साथ लगती सीमा व आसपास के सैन्य जिलों में तैनात चीनी सैनिकों की गणना में लगे हुए हैं। यू.एस. बेस्ड पी.एल.ए. एक्सपर्ट, डैनिस ब्लास्को ने बताया है कि एक अनुमान के अनुसार सीमा पर चीन की तरफ 2,35,000 पी.एल.ए. सैनिक तैनात हैं, जिनमें सीमा सुरक्षा कर्मी और पी.एल.ए. के वैस्टर्न थिएटर कमांड के तहत पी.एल.ए. की अत्याधुनिक मोबाइल ऑप्रेशन इकाइयां शामिल हैं, जोकि भारतीय सीमा और चीन के बाकी स्वायत्त क्षेत्रों तिब्बत और झिंजियांग की निगरानी करती हैं। मार्च महीने में हार्वर्ड के कैनेडी स्कूल के बैलफर सैंटर ने भी अनुमान लगाया था कि तिब्बत और झिंजियांग सैन्य जिलों सहित पश्चिमी थिएटर कमान के तहत कुल 200,000-230,000 चीनी सैनिक ग्राऊंड पर युद्ध के लिए तैयार बर तैयार(रैडी मोड पर) हैं। इसमें पी.एल.ए. बॉर्डर डिफैंस यूनिट्स जो स्थायी रूप से सीमा पर तैनात हैं। इसके काम में सीमा प्रबंधन और सीमा पर गश्त करना शामिल है। पी.एल.ए. के वैस्टर्न थिएटर कमांड में दो ग्रुप आर्मीज हैं- जोकि कोर के बराबर हैं। सिचुआन में मुख्यालय वाली 77वीं ग्रुप आर्मी में 6 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड और 7 सपोर्ट ब्रिगेड शामिल हैं। इनमें से 3 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड तिब्बत में स्थित हैं, जो सिचुआन में लगभग 35,000 कर्मियों की ताकत को कम करते हैं। ये ल्हासा में लगभग 1,400 किलोमीटर एरिया में स्थित हैं। निंग्जिया में मुख्यालय वाली 76वीं ग्रुप आर्मी में कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड और 6 सपोर्ट ब्रिगेड शामिल हैं। इसके 50,000 सैनिक ल्हासा से लगभग 1,600 किलोमीटर एरिया में किन्हाई, गांसु और ड्क्षनग्जिया में स्थित हैं। इंटरनैशनल इंस्टीच्यूट फॉर स्ट्रैटैजिक स्टडीज (आई.आई.एस.एस.) के अनुसार, 16 बॉर्डर डिफैंस रैजीमैंट, लगभग 40,000 कर्मियों के साथ, तिब्बत और झिंजियांग की भारत, नेपाल और भूटान के साथ 5,000 किलोमीटर की सीमा की निगरानी करती है। ये बॉर्डर डिफैंस रैजीमैंट्स सीमा के बाहर सुदूर चौकियों में फैली हुई हैं, जो इलाके की निगरानी के लिए कभी-कभी छोटे ड्रोन का उपयोग करके या फिर पैदल और वाहन द्वारा चौकी के बीच गश्त का संचालन करती हैं। ब्लास्को का कहना है कि रूटीन में गश्ती दल दस्तों (लगभग आठ आदमी) या कभी-कभी पल्टून (लगभग 40 सैनिक) के रूप में पैट्रोड्क्षलग करते हैं। इसका काम निरीक्षण करना और रिपोर्ट करना है। ये वे गश्ती दल हैं जो भारतीय गश्ती दल के संपर्क में आते रहते हैं। युद्ध संचालन पी.एल.ए. की 'मोबाइल ऑप्रेशनल यूनिट्स' या 'कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड' का काम है। इन्हें पी.एल.ए. के 'समूह सेनाओं' को सौंपा गया है या तिब्बत और झिंजियांग सैन्य जिलों के तहत रखा गया है। कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड का गठन 2017 में पी.एल.ए. के दूरगामी सुधारों के तहत बनाई गई लड़ाकू संरचनाओं में से एक है। इसमें 5,000-6,000 सैनिक शामिल हैं।

इस ब्रिगेड के पास बख्तरबंद वाहन, तोपखाने और वायु रक्षा बंदूकें, इंजीनियर और ब्रिगेड के लिए आवश्यक अन्य शाखाएं हैं, जो स्वतंत्र रूप से परिचालन कार्य करती हैं। लद्दाख के सबसे निकट झिंजियांग सैन्य जिला है, जिसमें चार पैदल सेना डिवीजन हैं और एस.ओ.एफ., आर्टिलरी, एयर डिफैंस, सेना विमानन, खुफिया और टोही ब्रिगेड और अतिरिक्त सहायता इकाई है।

एक गलती और कोरोना से हो गई मां और 5 बेटों की मौत, करोड़पति परिवार में नहीं बचा कोई अर्थी देने वाला

धनबाद। कोरोना वायरस संकट के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। झारखंड में इसका एक दर्दनाक उदाहरण सामने देखने को मिला। कोरोना महामारी से मचे हाहाकार के बीच जून के आखरी सप्ताह में दिल्ली से अपने पोते की शादी कराने झारखंड में धनबाद जिले के कतरास आईं 88 वर्षीय दादी विवाह के अगले दिन बीमार पड़ गईं और फिर उनके घर में दुर्भाग्य ने ऐसा डेरा डाला कि इलाज के दौरान उनकी मौत के बाद उन्हें कांधा देने वाले पांच बेटे भी संक्रमित होकर 15 दिन में बारी-बारी से जान गंवा बैठे वहीं करोड़पति परिवार के छह अन्य सदस्य अभी भी संक्रमण से जंग लड़ रहे हैं। कोरोना के कारण परिवार के अन्य सभी सदस्य होम क्वारंटाइन में हैं, जिसके कारण रांची के रिम्स में 19 जुलाई को दम तोडने वाले परिवार के छठे सदस्य के 36 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद शव लेने कोई नहीं आ पहुंचा है। पांच दिन बाद जिला प्रशासन को अंतिम संस्कार करना पड़ा था। इससे पहले भी एक और भाई की मौत रिम्स में हुई थी। उस समय भी परिजन शव लेने नहीं पहुंचे। परिवार के 14 सदस्य होम क्वारंटाइन में है, जबकि शादी समारोह में शामिल हुए 70 लोगों में से कई की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट अब तक नहीं मिल पायी है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि धनबाद जिले में कतरास थाना क्षेत्र के रानी बाजार इलाके में इस वर्ष जून के आखिरी सप्ताह में अपने पोते की शादी में शामिल होने दिल्ली से आई 88 वर्षीय महिला की अगले दिन तबीयत खराब हो गई। उन्हें बोकारो जिले के चास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 04 जुलाई को उनकी मौत हो गई। इसके बाद उनका स्वाब सैंपल लिया गया। मृतका की अर्थी को उनके बेटों ने कांधा दिया ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन की गिद्ध दृष्टि अब भूटान पर: सीमा को लेकर डाला अड़ंगा, नए क्षेत्र पर ठोका दावा

बीजिंग।

अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते चीन ने कई देशों पर नजरें गढ़ रखी हैं। भारत, नेपाल, हांगकांग, ताइवान के बाद चीन की गिद्ध दृष्टि अब छोटे से शांतिप्रिय देश भूटान पर टिकी है।चीन ने भूटान की साकतेंग वाइल्डलाइफ सेंचुरी पर अपना दावा ठोंकते हुए कहा है कि दोनों देशों की सीमा का निर्धारण करने के लिए वह जल्द ही पैकेज सॉल्यूशन पेश करेगा और आशा है कि भूटान उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लेगा और दोनों देशों का सीमा विवाद सुलझ जाएगा। हालांकि भूटान ने चीन के इस दावे पर कड़ा एतराज जताया है। चीन ने हाल ही में ग्लोबल इन्वॉयरमेंट फैसिलिटी (जीईएफ) के समक्ष साकतेंग सेंचुरी पर अपना दावा पेश किया था। चीन ने सेंचुरी को आर्थिक सहायता देने के जीईएफ के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि उसकी संपत्ति को उसकी जानकारी के बगैर कैसे सहायता दी जा सकती है। चीन ने भूटान में सकतेंग वन्यजीव अभयारण्य पर अपने हालिया दावे का बचाव करते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अभी दोनों देशों के बीच सीमांकन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, चीन का रुख अटल और स्पष्ट है। चीन और भूटान के बीच सीमांकन नहीं हुआ है और मध्य, पूर्वी तथा पश्चिमी हिस्सों में कुछ विवाद हैं।

प्रवक्ता ने कहा, लिहाजा, चीन विवाद को सुलझाने के लिए पैकेज समाधान की वकालत करता है। उन्होंने कहा कि चीन इस मुद्दे को बहुपक्षीय मंचों पर विवाद बनाने का विरोध करता है और इसे लेकर संबंधित पक्षों के संपर्क में है। खबरों के अनुसार नयी दिल्ली स्थित भूटान के दूतावास ने अभयारण्य पर दावे को लेकर चीनी दूतावास को आपत्ति पत्र भेजा है।

अमेरिका-चीन में ठनी, पहली बार युएसए से चीनी दूतावास खाली कराने का आदेश

वाशिंगटन।

अमेरिका और चीन के बीच में तनाव इतना बढ़ चुका है कि इसका असर अब दुनिया को नजर आने लगा है। चीन के खिलाफ ट्रंप सरकार ने एक कड़ा कदम उठाते हुए अपने ह्यूस्टन स्थित महावाणिज्य दूतावास को 72 घंटे के अंदर बंद करने का आदेश दे दिया है। इतने कम समय में महावाणिज्य दूतावास को खाली करने के आदेश से चीन के विदेश मंत्रालय में हड़कंप मच गया है। अमेरिका के आदेश के बाद चीनी दूतावास के अंदर अफरातफरी का माहौल देखा गया। यही नहीं चीनी कर्मी बड़ी संख्या में गोपनीय दस्तावेजों को जलाते देखे गए हैं। कर्मचारियों के दस्तावेज जलाने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। माना जा रहा है कि चीनी कर्मचारी गोपनीय दस्तावेजों को जला रहे हैं। उधर, अमेरिका के इस कदम के बाद चीन भी भड़क गया है और उसने भी आवश्यक जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ह्यूस्टन पुलिस भी वाणिज्य दूतावास के बाहर मौजूद है लेकिन डिप्लोमेटिक अधिकारों के चलते अन्दर प्रवेश नहीं कर सकती। पुलिस ने बताया कि लोगों ने दूतावास से धुंआ उठता देखकर उन्हें सूचना दी थी जिसके बाद वे यहां आए थे लेकिन चीनी अधिकारियों ने उन्हें अन्दर घुसने की अनुमति नहीं दी है। कोल्ड वार के बाद ऐसा पहली बार है कि अमेरिका ने इस तरह किसी भी

देश के दूतावास को बंद करने का आदेश जारी किया हो। बताया जा रहा है कि अमेरिका ने चीन के साथ जारी गंभीर तनाव को देखते हुए ह्यूस्टन के महावाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया गया है।

ट्रंप ने यौन तस्करी की आरोपी के लिए मांगी दुआ, कहा- भले की कामना करता हूं

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यौन तस्करी की आरोपी घिसलाइने मैक्सवेल के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए कहा कि वह उसके भले की कामना करते हैं। मैक्सवेल पर यौन तस्करी के आरोपी एवं बाल वेश्यावृत्ति के दोषी जेफ्री एप्स्टीन की साथी होने का आरोप है। एप्स्टीन की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने एक संवाददाता सम्मेलन में मैक्सवेल के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''सच कहूं, तो मैं उनके भले की कामना करता हूं। मैक्सवेल (58) सलाखों के पीछे है और अदालत ने उसे पिछले सप्ताह जमानत देने से इंकार कर दिया था। एप्स्टीन ने यौन तस्करी के आरोप लगाए जाने के कई सप्ताह बाद जेल में आत्महत्या कर ली थी। ट्रंप ने मैक्सवेल के बारे में कहा, ''मैं, पिछले कुछ साल में उससे कई बार मिला था। मैं पाम बीच में रहता था और शायद वे भी पाम बीच में ही रहते थे।

हिमालय क्षेत्र में चीन अन्य देशों को परेशान नहीं कर सकता : पोम्पिओ

वाशिंगटन।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने पूर्वी लद्दाख में भारत के साथ हिंसक झड़प सहित पड़ोसी देशों के साथ चीन के अक्रामक रवैये पर वार करते हुए कहा कि हिमालय क्षेत्र में बीजिंग दूसरे देशों को धमका और परेशान नहीं कर सकता । लंदन में एक संवाददाता सम्मेलन में पोम्पिओ ने कहा कि ब्रिटिश विदेश मंत्री डॉमनिक राब के साथ उनकी बातचीत में चीन प्रमुख मुद्दों में से एक था। पोम्पिओ ने कहा, '' आप उन समुद्री क्षेत्रों के लिए दावे नहीं कर सकते, जिन पर आपका कोई कानूनोचित दावा नहीं है। आप हिमालय क्षेत्र में दूसरे देशों को धमका और पेरशान नहीं कर सकते। आप ऐसा नहीं कर सकते कि विश्व

स्वास्थ्य संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ काम भी करते रहें और उनका इस्तेमाल अपने किए कृत्यों को छुपाने के लिए भी करें।''चीन का सामना करने के लिए और कदम उठाने के ब्रिटेन के सवाल पर पोम्पिओ ने यह जवाब दिया। उन्होंने कहा, '' मैं इस तरह से नहीं सोचता, हम इस तरह से नहीं सोचते। हमारा मानना है कि दुनिया को मिलकर काम करने की जरूरत है, चीन सहित सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय प्रणाली के तहत काम करना चाहिए जो कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए उचित एवं सुसंगत है।''

अमेरिकी कांग्रेस में यूएस कैपिटोल से नस्लवादी न्यायाधीश की प्रतिमा हटाने पर विचार

वाशिंगटन। अमेरिकी सदन इस मुद्दे पर मतदान करेगा कि यूएस कैपिटोल में लगी उस प्रधान न्यायाधीश की प्रतिमा को हटाया जाना चाहिए या नहीं जिन्होंने अपने फैसले में कहा था कि अफ्रीकी मूल के लोग अमेरिका के नागरिक नहीं हो सकते । प्रधान न्यायाधीश रोगर बी टैनी ने वर्ष 1857 में ड्रेड स्कॉट नामक मामले में अपने फैसले में कहा था कि अफ्रीकी मूल के लोग अमेरिका के नागरिक नहीं हो सकते । टैनी की प्रतिमा हटाने के मुद्दे पर बुधवार को मतदान होने की उम्मीद है। अमेरिका में एक गोरे पुलिस अधिकारी द्वारा काले व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या किए जाने के बाद पूरी दुनिया में नस्लवाद के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हुए थे और प्रदर्शनकारियों ने नस्लवादी माने जाने वाले कई लोगों की प्रतिमाओं को गिरा दिया था । फ्लॉयड की मौत के बाद अमेरिका में इस बात पर बहस छिड़ी है कि नस्लवादी विचाराधारा के लोगों की प्रतिमाओं को रहने दिया जाना चाहिए या नहीं। यूएस कैपिटोल में एक कमरे के बाहर टैनी की दो फुट ऊंची एक आवक्ष प्रतिमा लगी है जहां 1810 से 1860 तक देश का उच्चतम न्यायालय सुनवाई करता था।

अमेरिका ने चीन से भारत के साथ तनाव कम करने की अपील संबंधी प्रस्ताव किया पारित

वाशिंगटन।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक द्विदलीय प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें चीन से अपील की गई है कि वह नियंत्रण रेखा के पास भारत के साथ शांतिपूर्ण तरीके से तनाव कम करे। इस प्रस्ताव को मंगलवार को पारित किए जाने से पहले प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) में सर्वसम्मति से संशोधन पारित किया था, जिसमें गलवान घाटी में भारत के खिलाफ चीन की आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर जैसे विवादित क्षेत्रों में उसके बढ़ते क्षेत्रीय दबावों की निंदा की गई है। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में भारतीय अमेरिकी सांसद रो खन्ना, सांसदों फ्रैंक पैलोने, टो सुओजी, टेड योहो, जॉर्ज होल्डिंग, शीला जैक्सन-ली, हैली स्टीवन्स और स्टीव शैबेट ने यह प्रस्ताव पेश किया था। इसे वित्त वर्ष 2021 के लिए एनडीएए के साथ पारित किया गया। प्रस्ताव में भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की आक्रामकता की निंदा की गई है। कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा, ''आज पारित किए गए विधेयक से सदन ने यह स्पष्ट द्विदलीय संदेश दिया है कि चीन सरकार को भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांतिपूर्ण तरीके से तनाव कम करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''भारत में चीनी सेना की उकसावे की कार्रवाई अस्वीकार्य है और सीमा पर गतिरोध के शांतिपूर्ण समाधान से भारत-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।'' कृष्णमूर्ति ने कहा कि इस प्रस्ताव को पारित करके प्रतिनिधि सभा ने चीनी सैन्य आक्रामकता के खिलाफ भारत जैसे सहयोगियों के साथ खड़े होने की अमेरिका की तत्परता पुनः दर्शाई है। प्रस्ताव में कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास 15 जून तक कई महीनों पहले से चीनी सैन्य बलों ने कथित रूप से 5,000 जवानों को एकत्र किया और वह बल प्रयोग एवं आक्रामकता के जरिए उन सीमाओं को बदलने की कोशिश कर रहा है

संयुक्त युद्धाभ्यास के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भारत के साथ संबंधों को बताया बेहद अहम

वाशिंगटन।

अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने मंगलवार को कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच स्थिति की अमेरिका ''बहुत करीब से निगरानी कर रहा है। एस्पर ने चीनी सैन्य गतिविधियों को क्षेत्र को अस्थिर करने वाला बताया। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने पूर्वी लद्दाख और दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य आक्रमकता फिर से बढ़ने के बीच एक सुरक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह कहा। एस्पर ने दोनों देशों के बीच तनाव पर पूछे गये गये एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम भारत और चीन के बीच स्थिति की, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जो कुछ हो रहा है उसकी बहुत करीब से निगरानी कर रहे हैं और हमें यह देख कर अच्छा लगा कि दोनों पक्ष तनाव घटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की गतिविधियों को 'अस्थिर करने वाला करार देते हुए कहा कि वह पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में अपना आक्रामक व्यवहार जारी रखे हुए है। एस्पर ने यह भी कहा कि भारत के साथ अमेरिका संबंध 21 वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा संबंधों में एक है। चीन के साथ भारत के सीमा विवाद के बीच परमाणु ऊर्जा से संचालित विमान वाहक पोत यूएसएस निमित्ज के नेतृत्व में अमेरिकी नौसेना के एक हमलावर बेड़े ने अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के तट पर भारतीय युद्ध पोतों के साथ सोमवार को एक सैन्य अभ्यास किया। नयी दिल्ली में अधिकारियों ने बताया कि इस अभ्यास में भारतीय नौसेना के चार युद्ध पोत ने हिस्सा लिया। यूएसएस निमित्ज विश्व का सबसे बड़ा युद्ध पोत है। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने के बाद दोनों देशों (भारत और अमेरिका) की नौसेनाओं के बीच यह अभ्यास मायने रखता है। एस्पर ने कहा कि हिंद महासागर में संयुक्त अभ्यास भारत और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, ''मैं भारत के साथ बढ़ते रक्षा सहयोग का जिक्र करना चाहता हूं। यह 21 वहीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा संबंधों में एक है। हमने पिछले साल नवंबर में पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास किया था। जैसा कि मैंने आज कहा, यूएसएस निमित्ज हिंद महासागर में भारतीय नौसेना के साथ एक संयुक्त अभ्यास कर रहा है, यह हमारे मजबूत नौसेना सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है और स्वतंत्र एवं खुला हिंद- प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, ''हमारे विमान वाहक पोत दक्षिण चीन सागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में द्वितीय विश्व युद्ध के समय हैं। हम अपने मित्रों एवं साझेदारों की संप्रभुता का समर्थन करेंगे। एस्पर ने कहा कि चीन का अवैध रूप से भूमि पर कब्जा जताना तथा विवादित दक्षिण चीन सागर में एवं उसके आसपास सैन्य अभ्यास करना दक्षिण चीन सागर में 2002 की घोषणा में की गई उसकी प्रतिबद्धताओं के खिलाफ है।

मां-बाप को मरता देख लड़की ने उठाई एके-47, आतंकियों को गोली से भूनकर पूरा किया बदला

इंटरनेशनल डेस्क। लगभग पूरा विश्व आतंकवाद की चपेट में है, इनका ना कोई परिवार होता है ना ही धर्म। आतंकवादियों का काम सिर्फ आतंक फैलाना है। अफगानिस्तान में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला यहां आतंकवादियों ने 16 साल की लड़की के सामने उसके परिवार को मार डाला लेकिन उस बहादुर लड़की ने भी बंदूक उठाकर अपने माता पिता की मौत का बदला ले लिया। 16 साल कमर गुल की का परिवार घोर प्रांत के एक गांव में रहता है। लड़की के पिता मलिकजादा गांव में सरकार के समर्थक थे और प्रधान भी थे। बीते हफ्ते कुछ बंदूकधारी आतंकी उनके घर में घुस आए और गुल के माता-पिता की हत्या कर दी। अपने सामने परिवार वालों को मरता देख गुल ने,च-47 उठाकर आतंकियों को भून डाला। कमर गुल के साथ उनका भाई भी मौजूद था। करीब एक घंटे तक चली गोलीबारी में तीन आतंकवादी मारे गए व कुछ घायल हो गए। ताबड़तोड़ फायरिंग से आतंकी इस कदम बौखलाए कि वहतुरंत वहां से भाग निकले। गुल की इस हिम्मत की लोग दाद दे रहे हैं। सोशल मीडि या पर भी एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें गुल 7 पकड़ी दिखाई दे रही है। इस जवाबी कार्रवाई पर कमर गुल ने कहा इस जवाबी कार्रवाई पर कमर गुल ने कहा कि यह उनका अधिकार था, क्योंकि हमें अपने माता-पिता के बिना नहीं जीना है। गांव में उनके सौतेले भाई के अलावा और ज्यादा रिश्तेदार नहीं हैं।प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता मोहम्मद आरेफ अबर ने बताया कि कि फिर से हमला के डर के चलते अफगान सुरक्षाबलों ने कमर गुल और उसके छोटे भाई को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है।

दुनिया में कोविड-19 की सबसे अधिक जांच अमेरिका में हो रही हैं, दूसरे नंबर पर भारत : ट्रम्प

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए उनके प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया में कोविड-19 संबंधी जांच की संख्या के मामले में अमेरिका पहले और भारत दूसरे नंबर पर है अमेरिका में अभी तक 1,40,000 से अधिक लोगों की कोविड-19 से जान जा चुकी है और संक्रमण के 38 लाख मामले सामने आए हैं। ट्रम्प ने कोरोना वायरस की जानकारी देने के लिए कई सप्ताह बाद व्हाइट हाउस में आयोजित किए गए संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम संक्रमण के कारण मारे गए लोगों के लिए एक परिवार के तौर पर शोक मनाते हैं। मैं उनके सम्मान में संकल्प करता हूं कि हम टीका बनाएंगे और वायरस को मात देंगे। हम टीका बनाने और चिकित्सीय निदान ढूंढने की दिशा में बेहतर कर रहे हैं।''ट्रम्प ने कहा, ''हमने वायरस के बारे में बहुत कुछ जान लिया है। हमें पता है कि कौन खतरे में हैं और हम उनकी रक्षा करेंगे।''ट्रम्प ने आश्वासन दिया कि कोरोना वायरस का टीका उम्मीद से काफी पहले आ जाएगा। ट्रम्प ने कोविड-19 की जांच के संबंध में किए गए सवाल के जवाब में कहा कि अमेरिका इसमें ''सबसे आगे'' है।

उन्होंने कहा, ''हम जल्द ही पांच करोड़ का आंकड़ा पार कर देंगे। दूसरे नंबर पर भारत है, जिसने 1.2 करोड़ जांच की हैं। मुझे लगता है कि हम व्यापक स्तर पर जांच कर रहे हैं।''वहीं एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वायरस की स्थिति बेहतर होने से पहले बदतर हो सकती है। उन्होंने कहा, '' यह दुर्भाग्यवश, बेहतर होने से पहले बदतर हो सकती है।'

'इस दौरान ट्रम्प ने कई बार वायरस को 'चीनी वायरस' भी कहा। राष्ट्रपति ने मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा, ''आपको अच्छा लगे या नहीं, लेकिन इससे फायदा हो रहा है।''

राष्ट्रपति ने मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा, ''आपको अच्छा लगे या नहीं, लेकिन इससे फायदा हो रहा है।''

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने दिया संकेत- पाकिस्तान में YouTube पर लग सकता है बैन

पेशावर। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देश में पर प्रतिबंध लगाने का संकेत दिया। अदालत ने एक सांप्रदायिक अपराध में शामिल शौकत अली नामक शख्स के मामले की सुनवाई के दौरान इस बात की तरफ इशारा किया। न्यायमूर्ति काजी मुहम्मद अमीन और न्यायमूर्ति मुशीर आलम इस मामले की सुनवाई करते हुए सोशल मीडिया पर अनियमित सामग्री, विशेषकर न्यायपालिका, सशस्त्र बलों और सरकार के संबंध में टिप्पणियों पर आपत्ति जताई न्यायमूर्ति अमीन ने टिप्पणी की कि न्यायपालिका के परिवार के सदस्य पर जांच के दायरे में आते हैं। उन्होंने कल घोषित एक फैसले का उल्लेख किया, जिस पर मंच पर चर्चा की गई थी और पूछा गया था कि क्या पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण और संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने मंच पर ऐसी घटनाओं का नोटिस लिया था, जहां न्यायाधीशों का मजाक उड़ाया जाता है और शर्मिंदा किया जाता है। के एक अधिकारी ने अदालत को बताया कि वे आपत्तिजनक सामग्री को हटा नहीं सकते लेकिन केवल इसकी रिपोर्ट कर सकते हैं। जस्टिस मुशीर आलम ने कहा कि कई देशों में यूट्यूब पर प्रतिबंध है। उन्होंने पूछा कि क्या कोई भी मंच पर संयुक्त राज्य अमेरिका या यूरोपीय संघ के खिलाफ सामग्री पोस्ट करने की हिम्मत करेगा। न्यायमूर्ति अमीन ने पूछा कि ऐसे अपराधों के लिए कितने लोगों पर मुकदमा चलाया गया है जबकि न्यायमूर्ति आलम ने कहा कि कई देशों में स्थानीय कानूनों के माध्यम से सोशल मीडिया को विनियमित किया जाता है। अदालत ने इस मामले पर पाकिस्तान के अटॉर्नी-जनरल और विदेश मंत्रालय को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि एक दिन पहले ही ने एक चाइनीज ऐप को बैन कर दिया और को बैन करने की चेतावनी जारी की है।

समुद्र के किनारे खेल रहा था बच्चा तभी शिकार करने पास आ गई खतरनाक शार्क

फ्लोरिडा। सोशल मीडिया पर इनदिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसको देखकर आप भी कहेंगे जाको राखे साइयां, मार सके न कोय यानी जिसे भगवान बचा ले उसे कौन मार सकता है। वायरल हो रहा है ये वीडियो फ्लोरिडा के कोको बीच का बताया जा रहा है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक छोटा सा बच्चा समुद्र के किनारे खेल रहा होता तभी शार्क चुपके से उसका शिकार करने के लिए पहुंच जाती है। इसी बीच अपनी पत्नी के साथ समुद्र के किनारे घुम रहा एक पुलिस ऑफिसर ने भाप लिया था कि पानी में होने वाली हलचल शार्क की ही है। ऐसा में ऑफिसर बिना समय गवाए पानी में छलांग मारकर बच्चे को बचा लेता है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में पुलिस ऑफिसर की आवाज साफ सुनाई देती है अरे सुनो उस तरफ शार्क है.....और फिर ऑफिसर इतना बोलते ही पानी में छलांग लगाकर लड़के खींचने लगते हैं। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पंसद किया जा है।

अलास्का में 7.8 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी

इंटरनेशनल डेस्क। उत्तर अमेरिकी महाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी छोर में स्थित अमेरिकी राज्य अलास्का में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.8 मापी गई। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वेक्षण केंद्र ने बताया कि इसके पूर्व में कनाडा, उत्तर में आर्कटिक महासागर, दक्षिण-पश्चिम में प्रशांत महासागर और पश्चिम में रूस स्थित होने की वजह से सुनामी की चेतावी जारी कर दी गई है। क्षेत्रफल के अनुसार अलास्का संयुक्त राज्य अमेरिका के 50 राज्यों में सबसे बड़ा राज्य है। अलास्का की लगभग आधी जनसंख्या 6,83,478 इसके अन्कोरेज महानगर में रहती है। इससे पहले फिजी में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.0 मापी गई। इससे पहले फिजी में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.0 मापी गई। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वेक्षण केंद्र ने बताया कि मंगलवार को 20: 56: 24 बजे महसूस किए गए भूकंप का केंद्र धरती की सतह से 602.12 किलोमीटर नीचे 20.8319 डिग्री दक्षिण अक्षांश तथा 178.5723 पश्चिम देशांतर में था।

टेक्सास की जेल में 500 से अधिक महिला कैदी कोरोना पॉजिटिव

लॉस एंजलिस। अमेरिका के दक्षिणी राज्य टेक्सास की एक संघीय जेल में कोरोना संक्रमितों की संख्या बुधवार को बढ़कर 510 हो गयी। ब्यूरो ऑफ प्रिजंस ने बताया कि टेक्सास के पांचवें सबसे बड़े शहर फोर्ट वर्थ की संघीय जेल-कार्सवेल में 500 महिला कैदी कोरोना वायरस से संक्रमित पायी गई हैं। तीन सप्ताह पहले जेल में केवल तीन कोरोना मामले थे। वायरस से संबंधित पहली मौत अप्रैल में हुई और दूसरी वायरस से संबंधित पहली मौत अप्रैल में हुई और दूसरी 12 जुलाई को हुई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि जेल में कई महिला कैदियों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं। वर्तमान में इस जेल में लगभग 1,357 कैदी हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के दो प्रोफेसर और क्लर्क की छुट्टी

क्रांति समय सुरत

राजकोट , सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी में छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में कुलपति ने दो प्रोफेसर और क्लर्क की तत्काल प्रभाव से छुट्टी कर दीद्य मामला सामने आने के बाद पहले ही दोनों प्रोफेसरों पर 15 दिन यूनिवर्सिटी कैम्पस में प्रवेश पर रोक लगा दी गई थीं।

कुछ दिन पहले सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के दो प्रोफेसर विक्रम वांकाणी और भगीरथसिंह के खिलाफ उपलेटा की एक छात्रा ने शिकायत की थीं।

एम.पी. ईडी की छात्रा ने दोनों प्रोफेसरों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था।

यूनिवर्सिटी के कुलपति ने शिकायत के आधार पर करार आधारित प्रोफेसर विक्रम वांकाणी, भगीरथसिंह और क्लर्क पृथ्वीराजसिंह राणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

प्रोफेसर और क्लर्क शारीरिक शिक्षा विभाग में सेवारत थे।

सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के कुलपति नितिन पेथाणी के मुताबिक कोई भी शिकायत मिलने पर उसे जांच के लिए आंतरिक समिति को सौंपी जाती हैं। छात्रा की शिकायत के आधार पर दो प्रा.फेसर और क्लर्क को मामले की जांच पूरी नहीं तक तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

शिकायत मिलने पर उसकी जांच जरूरी है और उसके लिए यूनिवर्सिटी में अलग अलग समितियां बनाई गई हैं।

बाईक सवार युवक को गाली देता हुआ वीडियो

सुरत मनपा कर्मी या वसूलीवाले मास्क के लिए बाईक चालक से अपशब्द और दादागिरी।

क्रांति समय सुरत

कोरोना महामारी के बीच रोजागर नहीं होने की वजह से लोग लोकड.ाउन होने के बाद वैसे ही आर्थिक तंगी का सामना कर रहा है, इन परिस्थितियो के बीच में कई जगह मनपा द्वारा मास्क के नाम पर जबरजस्ती और दादागिरी करके वसूली की जा रही होने की शिकायते आ रही है,इसी बिच एक मनपा कर्मी का बाइक सवार युवक से मास्क के लिए गाली देने का वीडीयो शोशल मिडिया में वायरल हुआ है.

मनपा कर्मी या वसूलीवाले यह सवाल अब लोगों में उठ रहे हैं क्यों की ऐसा ही एक वीडयो वायरल हुआ है,वीडियो में दिखाया जा रहा की सड़क पर सरेआम एक कर्मी अपनी सारी सभ्यता भूलकर मास्क के नाम पर बाईक चालक युवक को गाली देकर उसके साथ बदसलूकी करता हुआ नजर आ रहा है.बाइक चालक उससे बिनती कर रहा है की उसने मास्क पहना है और वीडयो में भी दिख रहा है की उसने मास्क पहना है,फिर भी मनपा कर्मी उससे दादागिरी कर रहा |ये वीडियो वायरल होने के बाद अब सवाल उठने लगे है

हाईकोर्ट से अभिभावकों को बड़ी राहत स्कूल खुलने तक फीस भरने से मुक्ति

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद , गुजरात हाईकोर्ट ने निजी स्कूल संचालकों को बड़ा झटका और अभिभावकों को बड़ी राहत दी है।

हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि जब तक स्कूलें नहीं खुल जाती तब स्कूल संचालक फीस नहीं मांग सकते।

कोरोना संकट के बीच अभिभावकों पर फीस भरने की दबाव डाल रहे ।

स्कूल संचालकों को हाईकोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है।

हाईकोर्ट ने कहा कि जब तक स्कूल नहीं खुलतीं, तब तक स्कूल संचालक अभिभावकों पर फीस जमा करने का दबाव नहीं डाल सकते। यदि कोई स्कूल अभिभावकों पर फीस जमा करने का दबाव डालती है जिला शिक्षाधिकारी को उसके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। दरअसल कोरोना और लॉकडाउन के चलते लोग आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं और ऐसे में स्कूल संचालकों की दादागिरी ने उन्हें परेशान कर रहा था।

फीस जमा करने का स्कूल संचालकों की ओर से अभिभ.ावकों पर दबाव डाला जा रहा था। स्कूल संचालकों की इस मनमानी के खिलाफ गुजरात हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई थी।

दूसरी ओर राज्य के शिक्षा विभाग ने फीस के मामले में बड़ी राहत दी है।

शिक्षा विभाग ने आदेश दिया है कि फिलहाल स्कूलें बंद हैं और स्कूलों द्वारा अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित फीस तब तक वसूली नहीं जा सकती, जब तक स्कूल शुरू नहीं जाती।

यदि अभिभावकों ने अन्य गतिविधियों के लिए फीस जमा कर दी है तो उसे अभिभावकों को लौटानी होगी या सरप्लस करनी होगी।

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो सेवा स्कूलें नहीं देती उसके लिए फीस वसूली नहीं की जा सकती।

कोरोना संकट में अभिभावक मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और ऐसे में शैक्षिक संस्थाओं को उनकी मदद करनी चाहिएद्य शैक्षिक सं.स्था और ट्रस्टों का गठन उद्देश्य मुनाफाखोरी के बजाए समाज को उमदा शिक्षा देना है।

इसके बावजूद कई निजी स्कूल संचालक अभिभावकों से फीस वसूल रहे हैं और फीस घटाने से भी इंकार कर रहे हैं। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब से स्कूलें बंद है और जब तक खुल नहीं जातीं, तब तक किसी प्रकार की ट्यूशन फीस की वसूली नहीं जाएगी। साथ ही 2020–21 में कोई स्कूल संचालक फीस में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं कर सकेंगे। बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिकार के तहत कक्षा 1 से 8 में अध्ययनरत एक भी विद्यार्थी को स्कूल से निकाला नहीं जा सक.ेगा। 30 जून तक जिन विद्यार्थियों ने फीस जमा नहीं की है, उन्हें स्कूल से स्कूल से निकाला नहीं जा सकेगा।

पाटन में 31 जुलाई तक लॉकडाउन, 1 बजे तक खुले रहेंगे बाजार

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात में कोरोना का ग्राफ 50000 को पार कर गया है और 2201 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी हैं ।

कोरोना संक्रमितों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ऐहतियाती उपाय कर रहा हैं। उत्तरी गुजरात के पाटन में कोरोना संक्रमण बढ़ता देख नगर पालिका ने 31 जुलाई तक लॉकडाउन का ऐलान किया हैं। कोरोना को लेकर नगर पालिका की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें 31 जुलाई तक लॉकडाउन का फै.

सला किया गयाद्य 31 जुलाई तक व्यवसाय–रोजगार का समय घटा दिया गया और इसका उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई का आदेश दिय है।

आज से पाटन में दोपहर 1 बजे तक ही बा.जार खुले रहेंगेद्य कोरोना संक्रमण बढ़ने से नगर पालिका ने व्यवसाय–रोजगार का समय 1 बजे तक कर दिया है। बता दें कि 5 अप्रैल को पाटन में कोरोना का पहला मामला सामने आया था, जो आज बढ़कर 427 पर पहुंच गया है।

जिले में 20 मरीजों की कोरोना से अब तक मौत हो चुकी है।

427 में से 240 केस पाटन शहर में दर्ज हुए हैं।

कोरोना संक्रमितों की लगातार संख्या बढ़ती देख 31 जुलाई तक लॉकडाउन का फैसला किया गया हैं।

ब्याजखोर के आतंक से परेशान कैमिकल के व्यापारी ने आत्महत्या कर ली

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद,शहर के प्रहलादनगर क्षेत्र में रहने वाले कैमिकल के एक व्यापारी ने ब्याजखोर के आतंक से तंग आकर फ्लैट की छत से कूदकर जान दे दी।

फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज किया है और स्युसाइड नोट के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के प्रहलादनगर क्षेत्र के सफल परिसर में

सुशील टिबडेवाल परिवार के साथ रहते थे।

सुशील टिबडेवाल कैमिकल के व्यवसायी थे,

लेकिन लॉकडाउन के दौरान व्यवसाय में समस्या के चलते उन्होंने कुछ समय पहले ब्याज पर रुपए लिए थें।

टिबडेवाल ने ओम पंजाबी नामक शख्स 5 प्रतिशत के ब्याज पर 20 लाख रुपए लिए थे। जिसके लिए वह हर महीने 5 प्रतिशत ब्याज की रकम भी दे रहे थेद्य इसके बावजूद ओम पंजाबी आए दिन उगाही करता।

रोज रोज की उगाही से तंग आकर सुशील टिबडेवाल ने फ्लैट की छत से मौत से कूदकर जान दे दी।

मृतक के पुत्र साकेत ने बताया कि सुबह उसके पिता ने फोन कर उसे जल्द घर बुलाया।

लेकिन फ्लैट में प्रवेश करते ही वह छत से नीचे कूद गए। साकेत ने कहा कि तुरंत अपने पिता के पहुंचे, परंतु उनकी मौत हो चुकी थी।

सुशील टिबडेवाल के रिश्तेदार नरेश अग्रवाल ने आरोप लगाया कि ओम पंजाबी लतीफ गैंग से जुड़ा था।

हर महीने 5 प्रतिशत ब्याज की वसूली के बावजूद सुशील को ध.मकी देता था।

फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर स्युसाइड नोट के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

कार दुर्घटना में 3 लोगों की मौत, 2 गंभीर

क्रांति समय सुरत

बनासकांठा, बनासकांठा के चित्रामणी बालाराम ब्रिज पर तेज रफ्तार कार रोड डिवाइडर पर चढ़ गईद्य इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन लोगों की तीन लोगों की मौत हो गईं। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गएद्य जिन्हें क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले में चित्रामणी बालाराम ब्रिज पर राजस्थान की ओर तेज रफ्तार में दौड़ी जा रही कार अचानक बेलगाम हो गई और रोड़ डिवाइडर पर चढ़ गई। कार की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि डिवाइडर से टकराते ही कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद ब्रिज पर लंबा जाम लग गयाद्य खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और क्रेन की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला और अस्पताल भेज दिया थाद्य दुर्घटना का शिकार कार अहमदाबाद से राजस्थान जा रही थीं।

कांग्रेस के पूर्व विधायक वसंत पटेल की कोरोना से मौत

क्रांति समय सुरत

नवसारी, अहमदाबाद और सूरत समेत राज्य में कोरोना का कहर लगातार बढ़ रहा है। राज्य में कोरोना से अब तक 2201 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस के कई नेता कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। नवसारी के जलालपोर के पूर्व विधायक वसंत पटेल की कोरोना से मौत हो गई। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद कांग्रेस के पूर्व विध.ायक वसंत पटेल का उपचार

चल रहा था। 1980 से 1990 के दौरान जलालपोर के विधायक रहे 81 वर्षीय वसंत पटेल कोरोना के खिलाफ जंग हार गए और उनकी मौत हो गई। नवसारी जिले में भी कोरोना संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान नवसारी में कोरोना के 11 नए मामले सामने आए हैं। नवसारी में कोरोना का आंकड़ा 399 पर पहुंच गया है।

जिसमें 28 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई है। जबकि 232 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं।

नवसारी जिले में फिलहाल कोरोना के 138 सक्रिय मरीज हैं।

ट्रक–कार के बीच दुर्घटना में सास–बहु समेत चार की मौत, 3 गंभीर

क्रांति समय सुरत

अमरेली के बाबापुर गांव के निकट ट्रक और कार के बीच हुई भीषण दुर्घटना में सास–बहु और दो बच्चों समेत चार लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अमरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे गांव में शोक व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक अमरेली जिले की बगसरा तहसील के गावडका गांव से एक परिवार के सात सदस्य मारुति झेन में कूंकावाव की ओर जा रहे थे। आभूषणों की खरीदी करने निकले परिवार को अभी 15 मिनट भी नहीं बीते थे कि बाबापुर गांव के निकट एक ट्रक ने मारुति झेन को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक और कार के बीच दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग घटनास्थल पर जमा हो गएं। ट्रक के अगले हिस्से में घुसी कार पिचक गई।

स्थानीय लोगों ने कार में फंसे सातों लोगों को बाहर निकाला।

सोमनाथ मंदिर में बगैर पास के दर्शन नहीं कर पाएंगे श्रद्धालु

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, सौराष्ट्र स्थित सोमनाथ मंदिर में अब बगैर पास के श्रद्धालु दर्शन नहीं कर सकें।

सावन महीने के पहले दिन मंगलवार को श्रद्धालु और पुलिस के बीच हुए घर्षण को देखते हुए दर्शन के लिए पास व्यवस्था लागू कर दी गई है, जो शनिवार से प्रभावी होगी।

बता दें कि सावन का पहला दिन होने से मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु सोमनाथ मंदिर में एकत्र हुए थेद्य मंदिर के सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालना मुश्किल हो गया था।

उस दौरान एक शख्स ने पुलिसकर्मी को थप्पड़ मार दिया था |इस घटना को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस और सोमनाथ ट्रस्ट के बीच बैठक हुई, जिसमें दर्शन के लिए पास सिस्टम लागू करने का फैसला किया गया।

अब सोमनाथ मंदिर में दर्शन के लिए पास सिस्टम अनिवार्य कर दिया गया हैद्य वेरावल तहसील के लोगों के लिए पास सिस्टम अनिवार्य किया गया है। जबकि तहसील के बाहर से आनेवाले श्रद्धालुओं को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद ही दर्शन की अनुमति मिलेगी।

सोमनाथ मंदिर के दर्शन के समय में भी फेरबदल किया गया है। अब सुबह 5.30 बजे से सुबह 6.30 बजे, दोपहर 12.30 से शाम 6.30 बजे तक और शाम 7.30 बजे से 9.15 तक श्रद्धालु भगवान सोमनाथ के दर्शन कर सकेंगे। नए नियम आगामी शनिवार से लागू होगीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)